वर्ष-08 |अंक-284| पृष्ठ 08| मूल्य 02/-

दैनिक

कालप्रिया

RNI-MPHIN/2018/75526

सच वही जो दिखे...

भोपाल, बुधवार

22 जुलाई 2026

Email.kalpriyanews72@gmail.com

आषाढ़ शुक्ल पक्ष-8, विक्रम संवत् 2083

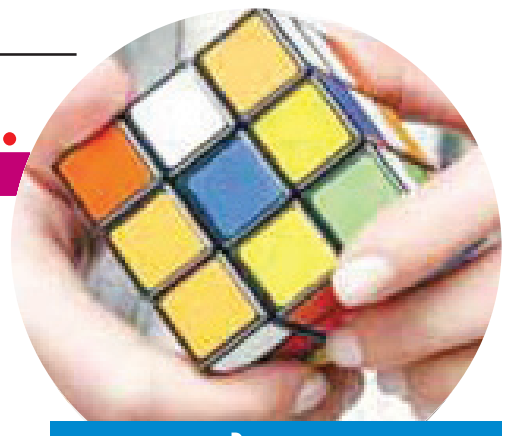

पेज-6

कॉकरोच जनता पार्टी फाउंडर बोले-

बात करने सरकार खुद आए

केजरीवाल, शरद-सुप्रिया जंतर-मंतर पहुंचे; सोनम वांगचुक को लेने मेदांता की एंबुलेंस सफदरजंग पहुंची

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक मामले को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन का आज 32वां दिन है। कॉकरोच जनता पार्टी फाउंडर अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया है कि सरकार ने उनका समय बर्बाद किया है। दीपके बोले- उन्होंने हमारे प्रतिनिधिमंडल को बुलाया। उनके मोबाइल जब्त कर लिए। दोनों को एक तरह से जेपी नड्डा के घर पर नजबंद कर दिया गया था। दीपके का कहना है कि अब वे सरकार से फिर बातचीत करने नहीं जाएंगे। अब सरकार को यहां जंतर-मंतर पर आना होगा।

हमारा समय बर्बाद किया

जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक मामले को लेकर विरोध प्रदर्शन का आज 32वां दिन है। कॉकरोच जनता पार्टी फाउंडर अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया है कि सरकार ने उनका समय बर्बाद किया है। आशुतोष रांका और सौरव दास जेपी नड्डा के घर पर नजबंद कर दिया गया था।

एनडीए की बैठक में बोले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी-

हम छात्रों के साथ हैं; नीट पेपर लीक पर सख्त सजा देने की कही बात

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के बीच मंगलवार को एनडीए संसदीय दल की बैठक मंगल मिलन संसद पुस्तकालय भवन के जी.एम.सी. बालयोगी ऑडिटोरियम में आयोजित की गई। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सभी प्रमुख दलों के सांसद और वरिष्ठ नेता शामिल हुए। इस बैठक के दौरान संसद के मानसून सत्र की रणनीति, सरकार के विधायी एजेंडे और विभिन्न राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा की गई। साथ ही एनडीए के सभी सहयोगी दलों के बीच बेहतर समन्वय और सदन में एकजुट होकर सरकार का पक्ष रखने पर भी जोर दिया गया।

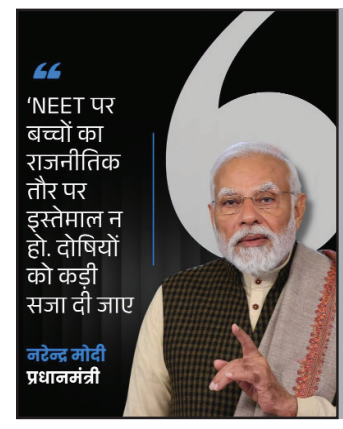

एनडीए की बैठक में क्या बोले पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को एनडीए संसदीय दल की बैठक में कहा कि नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में सरकार ने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए हैं। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने बैठक के बाद यह जानकारी दी। रिजिजू के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने कहा कि नीट पुनर्परीक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई और छात्रों का भविष्य प्रभावित न हो, इसलिए बिना किसी देरी के परिणाम घोषित किए गए।

मंगल मिलन बैठक बेहद उपयोगी

किरेन रिजिजू ने कहा कि एनडीए संसदीय दल की बैठक काफी उपयोगी रही। प्रधानमंत्री ने सांसदों को कई महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन दिया और पिछले कुछ महीनों में देश की उपलब्धियों की जानकारी भी साझा की। उन्होंने कहा कि बैठक में हाल ही में राज्यसभा पहुंचे नए सांसदों, जिनमें नितिन नवीन भी शामिल हैं, का स्वागत किया गया।

एमपी में यूसीसी बिल पास / सदन में जमकर हुआ हंगाम / सीएम यादव बोले-

अलग-अलग मजहबी तौल कांटा नहीं चलेगा

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) बिल पास हो गया है। इस दौरान हंगामे के बीच मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि जो हिंदू की बात करेगा, वही राज करेगा। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि समानता हमारी संस्कृति का मूल है। भगवान की दृष्टि में सभी एक समान हैं, तो इंसानों द्वारा बनाए गए कानून में अलग-अलग व्यवस्था क्यों होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश में सभी नागरिकों के लिए समान कानून होना चाहिए। सीएम यादव ने कहा, राम से रहीम तक, रविंद्र से रॉबिन तक, अमर से एंथोनी और अकबर तक, देश एक संविधान से चले। उन्होंने दावा किया कि समान नागरिक संहिता लागू होने के बाद मध्यप्रदेश में भेदभाव से मुक्ति मिलेगी और राज्य गोवा, उत्तराखंड और असम के बाद इस दिशा में कदम बढ़ाने वाले चुनिंदा राज्यों में शामिल होगा।

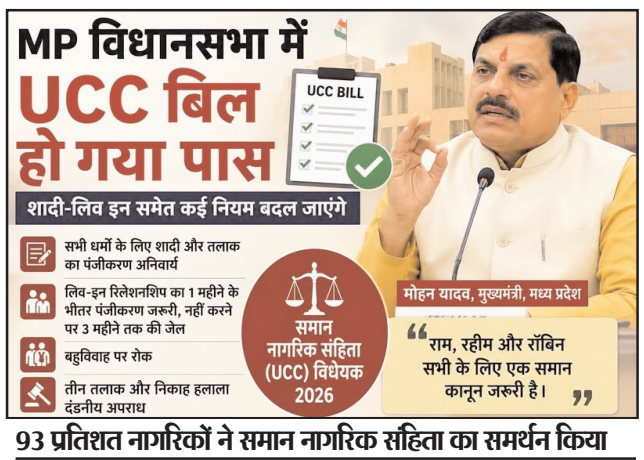

93 प्रतिशत नागरिकों ने समान नागरिक संहिता का समर्थन किया

डॉ. यादव ने दावा किया कि प्रदेश के 93 प्रतिशत नागरिकों ने समान नागरिक संहिता का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सोच ऐसी है कि वह सीधी बात भी तिरछी नजर से देखती है। इसी संदर्भ में उन्होंने जाकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरत देखी तिन तैसी चौपाई का उल्लेख करते हुए कांग्रेस पर हमला बोला।

संविधान और अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर सवाल

दोबारा कार्यवाही शुरू होने पर कांग्रेस विधायक बाला बच्चन ने सरकार की मंशा पर सवाल खड़े किए। वहीं नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, विधायक आतिफ अकील और आरिफ मसूद ने इस बिल को सत्ता पक्ष का राजनीतिक एजेंडा करार दिया। कांग्रेस नेताओं ने संविधान के अनुच्छेद 29 का हवाला देते हुए अल्पसंख्यकों के सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकारों की रक्षा का मुद्दा उठाया। तमाम विरोध और हंगामे के बीच सरकार ने सदन में बहुमत के बल पर यूसीसी बिल को पास करा लिया।

यूसीसी बिल पास, अब राज्यपाल की मंजूरी का इंतजार

विधानसभा से यूनिफॉर्म सिविल कोड विधेयक पारित होने के बाद इसे राज्यपाल की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। राज्यपाल की स्वीकृति मिलने के बाद इसका राजपत्र (गजट) में नोटिफिकेशन जारी होगा। नोटिफिकेशन प्रकाशित होते ही मध्य प्रदेश में यूसीसी लागू हो जाएगा। सरकार की तैयारी के मुताबिक, इसके जुलाई में ही प्रभावी होने की संभावना है। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले भी कांग्रेस ने यूसीसी के विरोध में सांकेतिक नाटक का मंचन किया। इसके जरिए कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार और आरएसएस युवाओं, छात्रों, किसानों और जनहित के मुद्दों पर निष्क्रिय रहते हैं, लेकिन हिंदू-मुस्लिम, मंदिर-मस्जिद और भारत-पाकिस्तान जैसे सांप्रदायिक मुद्दों पर तुरंत सक्रिय हो जाते हैं। कांग्रेस के लगातार हंगामे के बीच मुख्यमंत्री ने कहा कि यह विधेयक महिला सशक्तिकरण, सामाजिक समरसता और सामाजिक समानता का कानून है.

किसानों का दिल्ली कूच स्थगित दो मांगों पर सहमति बनी

अंबाला/कुरुक्षेत्र/सोनीपत। अमेरिका-भारत फ्री ट्रेड डील के विरोध में पंजाब और हरियाणा के किसानों ने मंगलवार को प्रस्तावित दिल्ली कूच और किसान घाट महापंचायत फिलहाल स्थगित कर दी है। शंभू और खनौरी बॉर्डर पर पुलिस की सख्ती तथा हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के साथ हुई बैठक के बाद किसान वापस लौट गए। कुरुक्षेत्र पुलिस ने किसान नेता गुरनाम सिंह चढ़ूनी को भी रिहा कर दिया। भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश सचिव दिलबाग सिंह दिराजके ने बताया कि हिरासत में लिए गए किसान नेताओं की रिहाई और केंद्र सरकार से वार्ता कराने पर सहमति बनने के बाद धरना स्थगित करने का फैसला लिया गया।हालांकि, कॉकरोच जनता पार्टी के संसद घेराव के मद्देनजर हरियाणा के पंजाब, दिल्ली और यूपी से लगे बॉर्डरों पर सुरक्षा व्यवस्था अभी भी कड़ी है। कई जिलों में किसान नेताओं और समर्थकों को हाउस अरेस्ट या डिटेन किया गया। अंबाला के शंभू बॉर्डर पर 27 जुलाई तक धारा 163 लागू कर पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने पर रोक लगा दी गई। वहीं, सुबह सोनीपत के कुंडली-सिंघु बॉर्डर पर करीब 4 किलोमीटर लंबा जाम लगा। भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी के प्रवक्ता राकेश बैंस ने बताया- भारत-अमेरिका प्रस्तावित ट्रेड डील के विरोध में देश बचाओ मोर्चा के आह्वान पर दिल्ली के किसान घाट में प्रस्तावित महापंचायत और जनसभा से पहले हिरासत में लिए गए किसान नेताओं को मंगलवार को रिहा कर दिया गया।

हरियाणा में बॉर्डर सील कुंडली-सिंघु बॉर्डर पर 4 किमी लंबा जाम

बचाव अभियान जारी

सिक्किम में निर्माणाधीन सुरंग ढहने से 8 की मौत, कई अभी भी फंसे

गंगटोक, एजेंसी

नामची जिले के सामरदुंग (झोलुंगे) स्थित एनएचपीसी की निर्माणाधीन तीस्ता स्टेज-6 जलविद्युत परियोजना की सुरंग में हुए हादसे में मृतकों की संख्या आठ हो गई है। जिला प्रशासन ने मंगलवार सुबह 8:20 बजे तक की स्थिति में इसकी पुष्टि की है। घटना पर राज्य के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तामांग ने हादसे को लेकर दुख व्यक्त किया है। हादसे के बाद सुरंग में फंसे श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए युद्धस्तर पर खोज एवं बचाव अभियान चलाया जा रहा है। प्रशासन के अनुसार, बरामद किए गए सात शवों को पोस्टमार्टम और अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं के लिए सिंगताम जिला अस्पताल, एसटीएनएम अस्पताल गंगटोक तथा नामची जिला अस्पताल भेजा गया है। नामची जिले की कलेक्टर अनूपा टमलिंग ने घटना के बारे में जानकारी देते हुए कहा, ÷ऐसी संभावना है कि लगभग 27 मजदूर सुरंग के अंदर फंसे हुए हैं।

सीएम तामांग ने जताया शोक

मुख्यमंत्री ने हादसे में जान गंवाने वाले श्रमिकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुखद घड़ी में राज्य की पूरी जनता शोक संतप्त परिवारों के साथ खड़ी है। उन्होंने दिवंगत श्रमिकों की आत्मा की शांति और परिजनों को इस अपार दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

अमेरिका ने माना-ईरानी हमलों में 100 सैनिक घायल

तेहरान। अमेरिका ने मान लिया है कि ईरान के जवाबी हमलों में उसके करीब 100 सैनिक घायल हुए हैं। पेंटागन के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ये सैनिक 7 जुलाई के बाद हुए हमलों में घायल हुए। इनमें से 96 प्रतिशत सैनिक ठीक होकर ड्यूटी पर लौट चुके हैं। उन्होंने बताया कि ज्यादातर को सिर पर हल्की चोट लगी थी। पार्नेल ने यह बयान न्यूयॉर्क टाइम्स की उस रिपोर्ट के जवाब में दिया, जिसमें दावा किया गया था कि रक्षा मंत्रालय ईरान के साथ युद्ध में घायल हुए अमेरिकी सैनिकों की जानकारी सार्वजनिक नहीं कर रहा है। पार्नेल ने कहा कि इसमें जानबूझकर देरी हुई। ऐसा सैनिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किया गया। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, 28 फरवरी से शुरू हुए ईरान युद्ध में अब तक 17 अमेरिकी सैनिक मारे गए हैं, जबकि 430 से ज्यादा घायल हुए हैं।

एमपी के 30 से ज्यादा जिलों में बारिश; राजगढ़ में 4 इंच पानी गिरा

रायसेन में सड़क धंसी, सागर-भोपाल हाईवे जाम

भोपाल, ब्यूरो

मध्य प्रदेश में लंबे इंतजार के बाद मानसून ने फिर रफ्तार पकड़नी शुरू कर दी है। राजधानी भोपाल, सीहोर और रायसेन में सोमवार रात से लगातार बारिश हो रही है, जिससे मौसम सुहावना हो गया और लोगों को उमस से राहत मिली। कई इलाकों में सड़कें भीग गईं और तापमान में गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, पूरे प्रदेश की तस्वीर अभी भी चिंताजनक बनी हुई है, क्योंकि अब तक सामान्य से 17 प्रतिशत कम बारिश हुई है। मौसम विभाग ने मंगलवार को मुरैना, भिंड, दमोह और कटनी में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा राजगढ़, विदिशा, इंदौर, झाबुआ, आलीराजपुर, धार, बुरहानपुर, बड़वानी, खंडवा, खरगोन, उज्जैन, आगर-मालवा, शाजापुर, देवास, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, ग्वालियर, श्योपुर, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, मैहर, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, सागर, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है। नीमच, मंदसौर और रतलाम में मौसम साफ रहने का अनुमान है।

कुछ जिले आगे, कई जिले अब भी पिछड़े

देवास प्रदेश का सबसे अधिक बारिश वाला जिला बना हुआ है, जहां सामान्य से 102 प्रतिशत अधिक वर्षा दर्ज की गई है। हरदा, इंदौर, सीहोर और भोपाल में भी स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है। दूसरी ओर आलीराजपुर सबसे कम बारिश वाला जिला है, जहां सामान्य से करीब 74 प्रतिशत कम वर्षा हुई है।

प्रदेश में अब भी 17% बारिश की कमी

बारिश का ताजा दौर शुरू होने के बावजूद प्रदेश अब भी सामान्य वर्षा से पीछे चल रहा है। मौसम विभाग के अनुसार अब तक 268.1 मिमी (10.5 इंच) बारिश हुई है, जबकि इस समय तक 323.2 मिमी (12.7 इंच) बारिश हो जानी चाहिए थी। यानी प्रदेश में कुल वर्षा 17 प्रतिशत कम है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि पिछले 13 दिनों तक कहीं भी व्यापक और लगातार भारी बारिश नहीं हुई, जिससे बारिश का अंतर लगातार बढ़ता गया। यही वजह है कि प्रदेश के 39 जिले अभी भी सामान्य से कम बारिश वाले क्षेत्र में शामिल हैं।

आखिरी सप्ताह से बड़ी उम्मीद: मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि जुलाई के आखिरी सप्ताह में एक मजबूत मानसूनी सिस्टम सक्रिय होने की संभावना है। यदि यह तंत्र प्रभावी रहा तो प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में लगातार अच्छी बारिश हो सकती है और सामान्य वर्षा के मुकाबले चल रही कमी काफी हद तक पूरी होने की उम्मीद है।

स्काईरूट के सीईओ ने बताया-उन्होंने क्यों कॉरपोरेट पैकेज की जगह इसरो को दी प्राथमिकता

इसरो में 35 हजार में की पहली नौकरी, जोखिम से निकली सफलता की राह

नई दिल्ली (एजेंसी)

देश के अधिकांश आईआईटी स्नातक पढ़ाई पूरी करने के बाद ऊंचे वेतन वाली कॉरपोरेट नौकरियों या विदेश में करियर बनाने का विकल्प चुनते हैं। लेकिन स्काईरूट एयरोस्पेस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पवन कुमार चंदाना ने अलग राह चुनी। उन्होंने आईआईटी से इंजीनियरिंग पूरी करने के बाद भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में नौकरी करने का फैसला किया, जबकि उन्हें पहले से पता था कि वहां मिलने वाला वेतन निजी कंपनियों की तुलना में काफी कम होगा। चंदाना ने एक साक्षात्कार में बताया कि उनकी पहली मासिक सैलरी लगभग 40 हजार रुपये थी। उनके अनुसार कई आईआईटी छात्र कम वेतन के कारण सरकारी संस्थानों में जाने से बचते हैं, लेकिन उन्होंने पैसे के बजाय अंतरिक्ष तकनीक पर काम करने का अवसर अधिक महत्वपूर्ण माना।

भारत में देखे अवसर, चुनौतियों को बनाया अपनी ताकत

पवन कुमार चंदाना ने बताया उस समय भारत का निजी अंतरिक्ष क्षेत्र शुरुआती दौर में था। न तो स्पष्ट नीतियां थीं और न पर्याप्त निवेश उपलब्ध था। जहां अधिकांश लोग इसे चुनौती मान रहे थे, वहीं उन्होंने इसे एक बड़े अवसर के रूप में देखा। उनका मानना था कि भारत में अंतरिक्ष तकनीक के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं और यदि सही समय पर कदम उठाया जाए तो नई दिशा दी जा सकती है। इसी सोच के साथ उन्होंने बाद में स्काईरूट एयरोस्पेस की स्थापना की, जो आज भारत की प्रमुख निजी अंतरिक्ष कंपनियों में शामिल है।

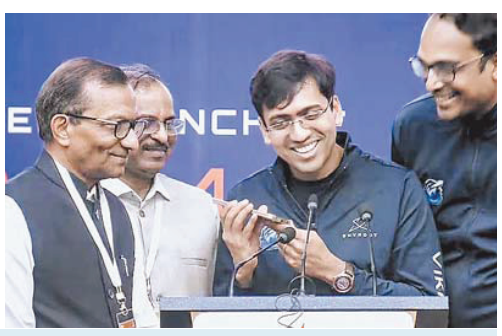

उद्यमियों को दिया समय पर जोखिम लेने का संदेश

चंदाना ने कहा जो लोग उद्यमी बनना चाहते हैं, उन्हें यह इंतजार नहीं करना चाहिए कि पूरा उद्योग पूरी तरह विकसित हो जाए। उनके मुताबिक जब तक नीतियां, निवेश और बुनियादी ढांचा पूरी तरह तैयार हो जाते हैं, तब तक शुरुआती बढ़त का लाभ खत्म हो जाता है। उन्होंने कहा जो लोग शुरुआती दौर में सोच-समझकर जोखिम लेते हैं और लगातार सीखते हैं, वही भविष्य में मजबूत स्थिति में पहुंचते हैं। उन्होंने कहा समय पर लिया गया साहसिक फैसला अक्सर बड़े आर्थिक लाभ से भी अधिक मूल्यवान साबित होता है।

स्काईरूट की सफलता बनी फैसले की सबसे बड़ी पुष्टि

चंदाना ने बताया कि स्काईरूट एयरोस्पेस को उस समय शुरुआत करने का लाभ मिला, जब भारत का निजी अंतरिक्ष क्षेत्र अभी आकार ले रहा था। कंपनी ने शुरुआती वर्षों में कई महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धियां हासिल कीं और आज वह देश की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं का अहम हिस्सा बन चुकी है। उनका कहना है कि पीछे मुड़कर देखने पर स्पष्ट होता है कि शुरुआती जोखिम और अपने फैसले पर विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी बने। उनके अनुसार सफलता केवल ऊंचे वेतन से नहीं मिलती, बल्कि सही समय पर सही दिशा चुनने और अपने उद्देश्य के प्रति प्रतिबद्ध रहने से मिलती है। यही सोच आज स्काईरूट की उपलब्धियों में दिखाई देती है और यह युवाओं के लिए प्रेरणा का संदेश भी देती है।

गिरिबाला ने मां की देखभाल के लिए मांगी जमानत

भोपाल। भोपाल की एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा मौत मामले में आरोपी सास गिरिबाला सिंह की ओर से दायर जमानत अर्जी पर मंगलवार को सुनवाई नहीं हो सकी। ट्विशा पक्ष के अधिवक्ता शुभांग दीक्षित ने बताया कि नियमित मजिस्ट्रेट अवकाश पर थीं, जिसके कारण जमानत आवेदन पर सुनवाई नहीं हुई। फिलहाल अदालत ने इस संबंध में कोई आदेश भी पारित नहीं किया है।शुभांग दीक्षित के अनुसार, गिरिबाला सिंह ने अपनी जमानत अर्जी में स्वास्थ्य संबंधी कारणों के साथ पारिवारिक परिस्थितियों का भी उल्लेख किया है। आवेदन में कहा है कि उनकी मां लगभग 100 वर्ष की हैं और उन्हें देखभाल की आवश्यकता है। उल्लेखनीय है कि रिटायर्ड जिला जज गिरिबाला सिंह की ओर से भोपाल कोर्ट में जमानत आवेदन दायर किया गया।

भोपाल जिला कोर्ट में लगाया आवेदन, कहा- वह 100 वर्ष की हैं, देखभाल की आवश्यकता

घर में चोरी की घटना का भी दिया हवाला

अधिवक्ता दीक्षित ने बताया कि जमानत आवेदन में यह भी उल्लेख किया है कि गिरिबाला सिंह के घर में चोरी की घटना हुई थी। इसी आधार पर अदालत से उन्हें जमानत देने का अनुरोध किया है।

संक्षिप्त समाचार

विश्वस्तरीय वैज्ञानिक सम्मेलन बना उपलब्धियों का मंच

सतना। धार्मिक नगरी मैहर ने विज्ञान एवं अनुसंधान के क्षेत्र में एक नई पहचान स्थापित करते हुए अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। शासकीय विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय समेलन ईटीआरडी2 026 (उभरते अनुसंधान एवं विकास रुझान वैश्विक सम्मेलन) ने यह साबित कर दिया कि छोटे शहर भी वैश्विक वैज्ञानिक गतिविधियों के केंद्र बन सकते हैं। सम्मेलन का सफल नेतृत्व अंतरराष्ट्रीय यातिप्राप्त वैज्ञानिक एवं महाविद्यालय के भौतिकी विभागाध्यक्ष डॉ. पीएल वर्मा ने किया। 17 व 18 जुलाई को आयोजित इस सम्मेलन में चिली, नेपाल सहित भारत के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों एवं शोधकर्ताओं ने भाग लिया। समेलन में नासा, इसरो, राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला (एनपीएल), बीएचयू, जेएनयू तथा अन्य प्रमुख संस्थानों के विशेषज्ञों ने नवीन वैज्ञानिक अनुसंधानों, तकनीकी विकास और वैश्विक सहयोग पर अपने विचार साझा किए। समेलन में कुल 132 शोधपत्र प्रस्तुत किए गए, जिन पर विशेषज्ञों ने विस्तृत समीक्षा और चर्चा की।

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा 25 को

सतना। आगामी 25 को शहर में निकलने वाली भगवान जगन्नाथ की विशाल रथ यात्रा की तैयारियों को अंतिम रूप देने का काम हो चुका है। रथ यात्रा के सफल एवं भव्य आयोजन से जुड़ी विभिन्न व्यवस्थाओं, जिम्मेदारियों, स्वागत, सुरक्षा, यातायात, प्रसाद वितरण, झांकियों तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी लोगों को दी जा चुकी है। रथ यात्रा आयोजन समिति ने शहर के सभी धर्मप्रेमी नागरिकों, व्यापारियों, सामाजिक संगठनों, समाजसेवियों एवं श्रद्धालुओं से आग्रह किया है कि वे रथ यात्रा में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करें। समिति का कहना है कि भगवान श्री जगन्नाथ की यह भव्य रथ यात्रा पूरे शहर की आस्था और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है, इसलिए इसके सफल आयोजन में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है।

[विरोध] कलेक्ट्रेट पहुंचकर सौंपा ज्ञापन, परीक्षा प्रणाली में सुधार व दोषियों पर सख्त कार्रवाई की उठाई मांग

पेपर लीक के विरोध में छात्रों ने निकाली पदयात्रा

नगर संवाददाता, सतना।

देशभर में सामने आए विभिन्न पेपर लीक मामलों के विरोध में सोमवार को सतना के छात्र-छात्राओं एवं युवाओं ने शांतिपूर्ण पदयात्रा निकालकर कलेक्ट्रेट पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शनकारियों ने प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता सुनिश्चित करने, पेपर लीक मामलों की निष्पक्ष जांच कराने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठाई। पदयात्रा सर्किट हाउस स्थित व्यंकट क्रमांक-2 विद्यालय से शुरू होकर स्टेशन रोड, इंदिरा गांधी कॉलेज, अस्पताल चौराहा, मार्केट और सिटी कोतवाली मार्ग से होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंची। यहां प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि लगातार हो रहे पेपर लीक से युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है और प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

ज्ञापन में मांग की गई कि पेपर लीक प्रकरणों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए, परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाया जाए तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी व्यवस्था लागू की जाए। साथ ही नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफे की भी मांग की गई।

एमपीएमएसआरयू सतना इकाई व जिला ट्रेड यूनियन कौंसिल ने सौंपा ज्ञापन

सीटू के राष्ट्रव्यापी आह्वान को लेकर एमपीएमएसआरयू सतना इकाई एवं जिला ट्रेड यूनियन कौंसिल सतना के द्वारा राष्ट्रपति के नाम का ज्ञापन कलेक्टर को सौंपा गया। एमपीएमएसआरयू के प्रदेश अध्यक्ष कॉमरेड संजय सिंह तोमर ने बताया कि दिल्ली के जंतर मंतर पर सोनम वांगचुक एवं नवजवान छात्रों द्वारा 21 दिन चले शांतिपूर्ण आंदोलन से सोनम वांगचुक को जिस अमानवीय तरीके से व्यवहार किया गया वो घोर निंदनीय और आपत्तिजनक है। इस अलोकतांत्रिक कृत्य के खिलाफ सोमवार 20 जुलाई को पूरे देश मे विरोध की कार्यवाही करते हुए देश की राष्ट्रपति के नाम सतना कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया।

युनियन के लोगों ने कहा कि करोड़ों छात्रों और युवाओं के भविष्य को प्रशासनिक उदासीनता, कॉर्पोरेट लालच और सांप्रदायिक राजनीति की बलि नहीं चढ़ाया जा सकता। यदि इन गंभीर विषयों पर तत्काल कोई प्रभावी व सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो सीटू से संबद्ध देश भर की तमाम यूनियनें, देश के राजनीतिक दलों, किसान संगठनों, छात्र एवं युवा संगठनों और बुद्धिजीवियों को साथ लेकर एक अत्यंत तीव्र, व्यापक और राष्ट्रव्यापी उग्र आंदोलन छेड़ने के लिए बाध्य होंगी, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।

ये रहे मौजूद

विरोध प्रदर्शन में टीयूसी के संरक्षक हरि प्रकाश गोस्वामी, टीयूसी के महासचिव संजय सिंह तोमर, सीटू के प्रदेश सचिव तेजप्रताप दुबे, एमपीएमएसआरयू के प्रादेशिक सचिव वीरेन्द्र सिंह रावल, प्रदेश कार्यकारणी सदस्य जितेन्द्र मिश्रा, राकेश सिंह परिहार, सतना डिवीजन इंसयोरेन्स एम्प्लाइज एशोसिएशन के महासचिव धर्मेंद्र सिंह बघेल, एमपीएमएसआरयू सतना इकाई के उपाध्यक्ष रणवीर सिंह, सहसचिव द्वय विवेक यादव, जितेंद्र पांडे, कोषाध्यक्ष प्रशांत केसरवानी, कार्यकारणी सदस्य अंचल सिंह, उमेश सिंह, शैलेश कुशवाहा, राजीव वर्मा, परिवेश खरे, दीपक पांडे, हरीश घनसानी, पुष्पेंद्र श्रीवास्तव, आशीष कुशवाहा, संजय मिश्रा, धीरेंद्र पांडे, प्रदीप तिवारी, मनोज पटेल, मुकेश त्रिपाठी, प्रदीप त्रिपाठी, राजेन्द्र बिस्वास, प्रशांत मिश्रा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

गरीब सेना ने राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

गरीब सेना ने राष्ट्रपति को सौंपे ज्ञापन में कहा है कि देश की शिक्षा व्यवस्था मे सुधार एवं केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे के मांग के लिए दिल्ली के जंतर मंतर मे पिछले 20 दिनों से छात्र, छात्राओं एवं वैज्ञानिक, शिक्षाविद् एवं पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक द्वारा भूख हड़ताल किया जा रहा था। सोनम वांगचुक के साथ दिल्ली पुलिस की कायरतापूर्ण कार्यवाही उचित नही है, उन्हें सफेद कपड़े मे जिस प्रकार से दिल्ली जंतर-मंतर से उठाया गया उसकी गरीब सेना भर्त्सना करती है एवं आपसे अनुरोध करती है कि पेपर-लीक बन्द कराने हेतु ठोस कदम उठाया जाय एवं केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे के लिए केन्द्र सरकार को निर्देशित किया जाय। ज्ञापन सौंपने वालों में नगर पालिक निगम के पूर्व पार्षद महिंद वर्धन सिद्धार्थ पह्लधपू , एड. केपी पाल, आशुतोष मिश्रा, संजय बुनकर, रंजीत प्रजापति, डॉ. संतोष शर्मा, विनोद पाल, एड. मनोज पाल, अनिल कुशवाहा, अशोक कुशवाहा, एड. पृथ्वीराज सूर्यवंशी, राम शिरोमणि कुशवाहा, संदीप प्रजापति, एड. सुशील प्रजापति, पूर्व जनपद सदस्य सुदामा प्रजापति, अरुण कुशवाह, अनमोल पाल संदीप सिंह, अनुराग पाल ,राजवीर सिंह परिहार, उज्जैफी अहमद आदि शामिल रहे।

निःशुल्क नेत्र शिविर में 227 मरीजों की ओपीडी में 66 मरीज मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए हुए भर्ती

नगर संवाददाता, सतना।

श्री गैवीनाथ जी धर्मशाला बिरसिंहपुर में निःशुल्क नेत्र शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह नेत्र शिविर मध्य प्रदेश अग्रवाल महासभा की अगुवाई में प्रांतीय उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम अग्रवाल भटनवारा वालों के मार्गदर्शन एवं संयोजन में संपन्न हुआ। श्री सदुरु ने चिकित्सालय जानकी कुंड चित्रकूट के नेत्र विशेषज्ञों द्वारा शिविर में 227 मरीज ने अपनी आंखों की जांच कराई एवं दवाइयां प्राप्त की तथा चिकित्सको द्वारा मशीनों से मोतियाबिंद की जांच की गई जिसमें 66 मरीज निःशुल्क ऑपरेशन एवं लैंस प्रत्यारोपण हेतु चिन्हित कर भर्ती किए गए। इस दौरान 75 जरूरतमंद मरीजों को नजर के चश्मे मुक्त बांटे गए।

विदित हो कि सतना के भटनवारा वाले अग्रवाल द्वारा निर्मित धर्मशाला में विगत 14 वर्षों से माह की प्रत्येक 20 तारीख को श्री सदुरु सेवा संघ चित्रकूट जानकी कुंड के सौजन्य से नेत्र शिविर आयोजित होता है, जिसमें बिरसिंहपुर क्षेत्र के अलावा दूर दराज ग्रामीण क्षेत्र के लोग भी हिस्सा लेते हैं एवं नेत्र ज्योति प्राप्त करते हैं। श्री अग्रवाल ने कहा भगवान गैवी नाथ की कृपा से नेत्र शिविर आगे भी जारी रहेगा आगामी नेत्र शिविर 20 अगस्त को धर्मशाला परिसर में प्रातः 9 बजे से चालू होगा जो दोपहर 1 बजे तक चलेगा। को-ऑर्डिनेटर पंडित भीषम शुक्ला ने कहा कि मरीजों को आधार कार्ड की फोटो कॉपी साथ रखना अनिवार्य है। श्री सदुरु नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट में ऑपरेशन हेतु भर्ती मरीजों को भोजन, बिस्तर एवं दवाइयां की निःशुल्क सुविधा प्राप्त होगी एवं ऑपरेशन उपरांत शिविर स्थल धर्मशाला परिषर बिरसिंहपुर पहुंचाया जाएगा।नेत्र शिविर में इनका रहा विशेष योगदान।

20 जुलाई को बिरसिंहपुर धर्मशाला में आयोजित नेत्र शिविर का शुभारंभ प्रातः 9 बजे भगवान गैवीनाथ जी भोले शंकर, स्वामी रणछोड़ दास जी महाराज एवं महाराजा अग्रसेन जी के चित्र पर माल्यार्पण, पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

खाद-ओटीपी और बिजली संकट से किसान त्रस्त : दिलीप मिश्रा

सतना। जिला कांग्रेस कमेटी सतना-मैहर के पूर्व अध्यक्ष दिलीप मिश्रा ने

जिले के किसानों की समस्याओं को लेकर सरकार के जनप्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियों पर निशाना साधते हुए कहा है कि आज सतना और मैहर जिले का किसान खाद, बीज, ओटीपी आधारित खाद वितरण व्यवस्था, बिजली और सिंचाई जैसी बुनियादी समस्याओं से जूझ रहा है। किसान सुबह से लेकर शाम तक खाद के लिए लंबी-लंबी कतारों में खड़ा रहता है, फिर भी उसे समय पर खाद नहीं मिल पा रही। खाद वितरण में लागू ओटीपी व्यवस्था के कारण कई किसानों को तकनीकी और प्रक्रिया संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे उन्हें बार-बार केंद्रों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। दूसरी ओर कृषि कार्य के लिए पर्याप्त बिजली भी उपलब्ध नहीं है जिससे किसानों की बोवाई प्रभावित हो रही है।

आरपीएस मार्शल आर्ट्स एंड फिटनेस एकेडमी का बेल्ट सेरेमनी व सम्मान समारोह संपन्न

नगर संवाददाता, सतना।

आरपीएस मार्शल आर्ट्स एंड फिटनेस एकेडमी के तत्वावधान में बेल्ट सेरेमनी एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन भरहुत नगर में संपन्न हुआ। समारोह में बेल्ट परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले खिलाड़ियों को नई बेल्ट एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. स्वप्ना वर्मा (प्रदेश महामंत्री, भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा) रहीं, जबकि अध्यक्षता राजललन सिंह (अध्यक्ष, सतना जिला कराते एसोसिएशन) ने की। विशिष्ट अतिथियों में नवनिर्वाचित जिला अधिवक्ता संघ की कोषाध्यक्ष श्रीमती वर्षा संजीव मिश्रा, उद्यमी, शिक्षाविद एवं एथलीट शैंकी कैला, सेवानिवृत्त एसडीओ गजेंद्र सिंह, समाजसेवी अवधराज सिंह, संजीव मिश्रा एवं प्रवीण द्विवेदी मंचासीन रहे।

वरिष्ठ प्रशिक्षक एवं जिला कराते एसोसिएशन के उपाध्यक्ष सेंसाई पदम रंजन मिश्रा ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ गुरु-शिष्य परंपरा का निर्वहन करते हुए आरपीएस एकेडमी के संस्थापक एवं जिले में मार्शल आर्ट्स के जनक स्वर्गीय शिहान रामायण प्रताप सिंह के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। अतिथियों के स्वागत के पश्चात एकेडमी के खिलाड़ियों ने कराते, जूडो एवं किक बॉक्सिंग की विभिन्न विधाओं का शानदार एवं रोमांचक प्रदर्शन कर उपस्थित दर्शकों की भरपूर सराहना प्राप्त की। इस प्रदर्शन में मुख्य शाखा संडे एकेडमी स्कूल सहित उतैली, बिरला, श्रीजी एवं बगहा शाखाओं के लगभग 150 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

भारतीय मजदूर संघ की जिला कार्यकारिणी बैठक संपन्न, 23 को मनाया जाएगा स्थापना दिवस

नगर संवाददाता, सतना।

भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) की जिला कार्यकारिणी की मासिक बैठक सोमवार को जिलाअध्यक्षयोगेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन जिला मंत्री शरद तिवारी द्वारा किया गया। बैठक में मुख्य रूप से आगामी 23 जुलाई को आयोजित होने वाले भारतीय मजदूर संघ के स्थापना दिवस की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई और कार्यक्रम की सफलता के लिए पदाधिकारियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गईं। इस अवसर पर भारतीय मजदूर संघ एवं विभिन्न आनुषांगिक संगठनों के प्रमुख पदाधिकारी वाल्मीक पाल (सह मंत्री, बीएमएस), मणिराज विश्वकर्मा (महामंत्री, बिजली महासंघ), पी. सी. श्रीवास्तव (संरक्षक, बिजली संघ), डी. सी. श्रीवास्तव (प्रदेश मंत्री, गृह निर्माण), बृजेंद्र सिंह (जिला संयोजक पर्यावरण मंच एवं जिला मीडिया प्रभारी), विक्रम प्रजापति (अध्यक्ष, संविदा स्वास्थ्य इकाई), मिथिलेश शुक्ला व विमला सैनी समेत अन्य कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

प्रांतीय प्रतिभा सम्मान समारोह 9 अगस्त को आयोजित

सतना। राष्ट्रीय संस्था भारतीय सिंधु सभा एवं सिन्धी मेला समिति (भोपाल) के संयुक्त तत्वाधान में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रांतीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन 9 अगस्त रविवार को रविंद्र भवन भोपाल में आयोजित किया गया है। संस्था के महामंत्री विनोद गेलानी ने बताया इस प्रतिभा सम्मान समारोह में वर्ष 2026-27 की विभिन्न परीक्षाओं में उल्लेखित अंक पाने वाले सिन्धी समाज के छात्र छात्राओं तथा प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा, साहित्य, कला, खेल इत्यादि विविध क्षेत्रों में समाज का नाम रोशन करने वाली सामाजिक प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया जायेगा। श्री गेलानी ने आगे बताया क्लास10 वीं 90 प्रतिशत 12 वीं 85 प्रतिशत डिग्री परीक्षाएँ 75 प्रतिशत अथवा समकक्ष डिग्री मार्कशीट जमा करने की आखिरी तारीख 31 जुलाई निर्धारित की गई है जिन छात्र-छात्राओं को डिग्री जमा करनी हो संस्था के संभाग प्रभारी विक्रम चौधरी अध्यक्ष अशोक चांदवानी श्री विजय जग्यासी मनोहर आर्तानी, विनोद गेलानी विकास सुखेजा राखी होतचंदानी सिमरन होतचंदानी एवं संस्था के किसी पदाधिकारी के पास जमा कर सकते हैं।

भारत स्काउट व गाइड ने आयोजित किया प्रमाण पत्र वितरण व शिक्षक-सम्मान समारोह

नगर संवाददाता, सतना।

भारत स्काउट एवं गाइड जिला कार्यालय में रामनवमी शोभायात्रा में अपनी उत्कृष्ट और अनुशासित सहभागिता दर्ज कराने वाले बच्चों एवं विभिन्न विद्यालयों से आए समर्पित शिक्षकों (टीचर्स) के उत्साहवर्धन हेतु एक भव्य प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महापौर योगेश ताम्रकार, विशिष्ट अतिथि चित्रकूट विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष विजय यादव, विंध्य विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष संजय तीर्थवानी, इंडियन बैंक के डिप्टी जोनल हेड आशुतोष मौर्या एवं राज्य उपाध्यक्ष विराम जैन उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष शिवम अग्निहोत्री द्वारा की गई। मंच का कुशल संचालन राजेश त्रिपाठी ने किया। समारोह में अतिथियों ने बच्चों के सेवाभाव, अनुशासन और ऊर्जा की भूरि-भूरि प्रशंसा की। साथ ही, बच्चों को सही मार्गदर्शन देकर इस भव्य आयोजन को सफल बनाने वाले विभिन्न स्कूलों के शिक्षकों को भी प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जिला स्काउट-गाइड टीम की ओर से रामनवमी शोभायात्रा को ऐतिहासिक बनाने के लिए पूरे जिले से सम्मिलित हुए सभी स्काउटर्स एवं गाइडर्स के प्रति हृदय से आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया गया, जिनकी कड़ी मेहनत से यह आयोजन अनुशासित और सफल रहा।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर जिला सचिव नागेंद्र द्विवेदी, संयुक्त सचिव संध्या विश्वकर्मा , सहायक सचिव अभिषेक गौतम एवं ब्लॉक सचिव संतोष विश्वकर्मा व विभिन्न विद्यालयों से अजीत प्रताप सिंह, विनीता पांडे, देवी प्रसाद मिश्रा, संजय राणा, सुशील गौतम, कुमारी वैश्वि खरे, संतोष सेन, पुष्पेंद्र कुमार नामदेव, सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी व सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मझगवां एसडीएम कार्यालय का घेराव

सतना। किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव व चित्रकूट विधानसभा के कांग्रेस नेता आशुतोष द्विवेदी ने जारी बयान में कहा की चित्रकूट विधानसभा क्षेत्र में इन दिनों मूलभूत सुविधाओं का अभाव है जैसे सतना चित्रकूट मुख्य मार्ग की सड़क पिंडरा से खोही तक की सड़क मझगवां नगर में पेयजल संकट नालियों की सफाई सहित विभिन्न क्षेत्रीय जन समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर मंगलवार 21 जुलाई को प्रातः 11.00 से पैदल मार्च करते हुए एसडीएम कार्यालय का घेराव किया जाएगा। जिसमें श्री द्विवेदी ने कांग्रेस के समस्त कार्यकर्ताओं व पार्टी पदाधिकारियों से कार्यक्रम में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की ।

[कार्यक्रम] एकेएस में 'ग्रीन कैंपस, क्लीन कैंपस' अभियान

विद्यार्थियों ने स्वच्छ व प्लास्टिक मुक्त परिसर का लिया संकल्प

नगर संवाददाता, सतना।

एकेएस विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग द्वारा वर्किंग विद कम्युनिटी कार्यक्रम के अंतर्गत 'ग्रीन कैंपस, क्लीन कैंपस' अभियान का प्रभावी आयोजन किया गया। अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, सामुदायिक सहभागिता तथा सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को व्यवहारिक रूप से विकसित करना था। कार्यक्रम शिक्षा विभाग की सहायक प्राध्यापिका सीमा द्विवेदी के मार्गदर्शन एवं पर्यवेक्षण में संपन्न हुआ। इस दौरान विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न स्थलों पर श्रमदान कर स्वच्छता अभियान चलाया तथा परिसर को स्वच्छ, हरित और पर्यावरण-अनुकूल बनाए रखने का संदेश दिया। अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों ने यह भी जाना कि स्वच्छ एवं प्लास्टिक मुक्त परिसर स्वस्थ, सुरक्षित और सतत विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

समापन अवसर पर सभी विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय परिसर को स्वच्छ, हरित एवं पूर्णतः प्लास्टिक मुक्त बनाए रखने की सामूहिक शपथ ली। उन्होंने स्वयं एकल-उपयोग प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करने तथा परिवार और समाज को भी इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का संकल्प व्यक्त किया। शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. आर.एस. मिश्रा ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सामुदायिक गतिविधियाँ विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण आधार हैं। ऐसे कार्यक्रम उनमें सेवा भाव, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, पर्यावरणीय चेतना तथा सामाजिक दायित्वों के निर्वहन की भावना को सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने सहायक प्राध्यापिका सीमा द्विवेदी के मार्गदर्शन में आयोजित इस अभियान को शिक्षा के व्यावहारिक पक्ष का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए पूरी टीम को शुभकामनाएँ दीं।

अभियान में शिक्षा विभाग के सभी छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। विद्यार्थियों के सामूहिक श्रमदान और जागरूकता प्रयासों से विश्वविद्यालय परिसर में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति सकारात्मक संदेश प्रसारित हुआ तथा प्लास्टिक मुक्त परिसर की अवधारणा को सशक्त आधार मिला।

इनरव्हील क्लब ने किया छाते वितरित

सतना। अंतरराष्ट्रीय समाज सेवी संस्था इनरव्हील की सतना इकाई की प्रेसिडेंट सविता गोयल एवं सेकेट्री नेहा अग्रवाल के नेतृत्व में उनकी टीम एवं अन्य सदस्यों के सहयोग से दिनांक उन्नीस जुलाई को जरूरत मंद भाई बहनों को ,,अमृत वाटिका,, परिसर में छाते वितरित किये गए। कार्यक्रम में क्लब की सभी पदाधिकारी बहनों के साथ अन्य सदस्या बहनें भी उपस्थित रहीं।

लायन अशोक जायसवाल को अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष सम्मान

नगर संवाददाता, सतना।

अंतर्राष्ट्रीय समाजसेवी संस्था लायंस क्लब सतना के पूर्व रीजन चेयरपर्सन लायन अशोक जायसवाल को विगत दिवस बिलासपुर में आयोजित डिस्ट्रिक्ट अवार्ड सेरेमनी में अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष लायन ए.पी.सिंह द्वारा प्रदत्त इंटरनेशनल प्रेसिडेंट अवॉर्ड निवृत्तिमान डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन विजय अग्रवाल के कर कमलों द्वारा प्रदान किया गया। यह सम्मान मानव सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य मेहनत व समर्पण के लिए दिया गया है व विशेष रूप से लायंस इंटरनेशनल के मिशन 1.5 के प्रति उत्कृष्ट एवं समर्पित सेवाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष सम्मान प्रदान किया गया। ज्ञात हो कि गत वर्ष रीजन चेयरमैन रहते अपने रीजन में 8 नए लायंस क्लब खोलने का कीर्तिमान भी स्थापित कर चुके हैं। साथ ही रीजन 11 मे 75 प्रतिशत सदस्यता ग्रोथ के साथ डिस्ट्रिक्ट 3233सी एमपी 3 सीजी में नंबर वन रीजन चेयर पर्सन थे लायन अशोक जायसवाल को उक्त सम्मान प्राप्त होने पर लायंस क्लब सतना के सदस्यों ने हर्ष व्यक्त किया है।

संक्षिप्त समाचार

सार्वजनिक स्थलों से हटाया गया अतिक्रमण

रीवा। शहर में बढ़ते अतिक्रमण के विरुद्ध सोमवार को नगर निगम के अतिक्रमण दल द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए सड़क एवं सार्वजनिक स्थलों को अतिक्रमणमुक्त कराया गया। इस दौरान जोन क्रमांक 2 में घोड़े चौराहे के पास पन्नी व्यापारियों द्वारा सड़क की पटरी पर व्यवसाय संचालित किया जा रहा था, जिससे आवागमन बाधित हो रहा था। उक्त अतिक्रमण को हटाने के साथ संबंधित व्यक्ति को समझाइश दी गई कि सड़क की पटरी पर पुन: किसी भी प्रकार का अतिक्रमण पाए जाने पर नियमानुसार जब्ती के साथ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। जोन क्रमांक 3 में ज्योति स्कूल के सामने सड़क पटरी पर किए गए अतिक्रमण को हटाया गया। इसके अतिरिक्त शिल्पी कुंज के सामने सड़क पर ठेला एवं गुमटी लगाकर किए गए अतिक्रमण को भी हटाया गया। संबंधित लोगों को सख्त चेतावनी दी गई कि भविष्य में पुन: अतिक्रमण पाए जाने पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही अतिक्रमण अमले द्वारा अस्पताल चौक से धोबिया टंकी तक सड़क किनारे किए गए ठेला-ल गुमटी के अतिक्रमण को हटाकर आवागमन सुचारु कराया गया। नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे सार्वजनिक स्थलों एवं सड़कों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न करें तथा शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने में निगम प्रशासन का सहयोग करें। उक्त कार्रवाई में अतिक्रमण प्रभारी राजेश चतुर्वेदी, सुखेन्द्र चतुर्वेदी, अतिक्रमण सहायक ज्ञानेंद्र द्विवेदी सहित नगर निगम का अतिक्रमण अमला उपस्थित रहा।

59वां विश्वविद्यालय स्थापना दिवस का आयोजन

गुरु हमेशा शिष्य को भरोसा और विश्वास देता हैः स्वामी नरसिंहदेवाचार्य

रीवा, नगर संवाददाता।

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा के शम्भूनाथ शुक्ल सभागार में 59 वां विश्वविद्यालय स्थापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के पूर्व में कैप्टन अवधेश प्रताप सिंह, स्वामी विवेकानन्द की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं विश्वविद्यालय प्रांगण में वृक्षारोपण का कार्यक्रम मुख्य अतिथि, मुख्य वक्ता, कुलगुरु एवं आचार्यों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नृसिंह पीठाधीश्वर डॉ. स्वामी नरसिंहदेवाचार्य महाराज, नरसिंह मन्दिर, गीताधाम, जबलपुर ने अपने उद्बोधन में कहा कि एक स्वतंत्रता सेनानी के नाम पर इस विश्वविद्यालय की स्थापना 1968 में हुई। इससे साबित होता है कि कैप्टन अवधेश प्रताप सिंह के अन्दर कितना देश प्रेम रहा होगा। संस्थानों की स्थापना कोई महापुरुष ही करता है किन्तु उसकी प्रतिष्ठा संस्थान के गुरु एवं शिष्य स्थापित

करते हैं। गुरु का कार्य विद्यार्थियों में आत्मविश्वास का निर्माण करना और उसे सन्मार्ग बताना होता है। वहीं सन्मार्गी विद्यार्थी विन्ध्यप्रदेश का नाम रोशन करते हुए देश-विदेशों में ख्यातिलब्ध हो रहे हैं। आगे उन्होंने कहा कि मीठा जल जीवन देता है और प्रकृति का पोषण और संरक्षण करता है। उसी प्रकार गुरु हमेशा शिष्य को भरोशा और विश्वास देता है। सभी को शिक्षा के साथ-साथ अपनी मातृ-भूमि, शिक्षा, संस्कृति के साथ अध्यात्म का पालन करता है। सम्यक् ज्ञान, सम्यक् कर्म एवं सम्यक् भक्ति आदि के माध्यम से जीवन में मनुष्य विवेक ज्ञान प्राप्त करता है।

आत्म उत्थान का विकास करना ही विश्वविद्यालय का लक्ष्य हो:ओमप्रकाश शर्मा

विशिष्ट अतिथि एवं मुख्यवक्ता ओम प्रकाश शर्मा राष्ट्रीय सह संयोजक, शिक्षा संस्कृति उत्थान, न्यास ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा के साथ आध्यात्मिकता का समावेश होना चाहिए। भारतीय

ज्ञान परम्परा का विकास होना चाहिए। यह आध्यात्मिक परम्परा विश्वविद्यालय ने स्थापित की है। भारत केन्द्रित राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू किया गया है। आगे उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को मातृभाषा की ओर प्रेरित करना चाहिए। विचार हमेंशा मातृभाषा में होना चाहिए और इसे व्यवहार में लाना है। सामाजिक दृष्टि से आत्म उत्थान का विकास करना ही विश्वविद्यालय का लक्ष्य हो, भारतीय ज्ञान परम्परा के माध्यम से भारतीय संस्कृति के उत्थान का कार्य किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों और युवाओं को गौशाला के माध्यम से गौ सेवा पीठ स्थापित कर बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास विश्वविद्यालय को करना चाहिए।

जल संग्रह और उसके संरक्षण पर पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने की योजनाः प्रो.कुड़रिया

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलगुरु प्रो. राजेन्द्र कुमार कुड़रिया ने अपने उद्बोधन में सभी को अपने जीवन में आध्यात्म को आत्मसात करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि गीताधाम अपने आप में सनातन परम्परा की ओजस्वी वाणी से ओतप्रोत है। वहाँ की आचार्य परम्परा एवं पूज्यपाद स्वामी के उद्बोधन से हम धन्यता का अनुभव करते हैं। आगे उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में आने के बाद से सभी मूल दस्तावेजों में इण्डिया की जगह भारत शब्द का प्रयोग करना प्रारम्भ किया गया। यहाँ तक विश्वविद्यालय से मिलने वाली महत्वपूर्ण उपाधि में हस्ताक्षर हिन्दी भाषा में किया जा रहा है। विश्वविद्यालय में नवीन पाठ्यक्रमों को प्रारम्भ कर कौशल संवर्धन की ओर हम ले जाना चाहते हैं। जल संग्रह और उसके संरक्षण पर एक पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने की योजना है। अतिथियों को बैच, शॉल, श्रीफल, प्रतीक चिन्ह, तुलसीमाला एवं तुलसी पौधा से किया गया। सेवानिवृत्त आचार्य प्रो. एस.एल. अग्रवाल को सम्मानित किया गया। तृतीय श्रेणी कर्मचारी सुश्री रूकसाना बेगम एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी बृजनन्दन पटेल को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. अतुल पाण्डेय द्वारा प्रवेश विवरणिका का विमोचन एवं विश्वविद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. श्रीकान्त मिश्र ने किया। कुलसचिव सुश्री नीरजा नामदेव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

रीवा में लगातार बढ़ रहा अपराधः अनिल मिश्रा

- चेन स्नैचिंग की घटना से शहर में दहशत, कानून व्यवस्था पर उठे सवाल

रीवा, नगर संवाददाता।

कांग्रेस के पूर्व कार्यकारी शहर अध्यक्ष अनिल मिश्रा ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि रीवा शहर में अपराध लगातार बढ़ता जा रहा है। आए दिन सामने आ रही आपराधिक घटनाओं ने आमजन की चिंता बढ़ा दी है। हाल ही में शहर में हुई चेन स्नैचिंग की घटना के बाद लोगों में भय और दहशत का माहौल देखने को मिल रहा है। अनिल मिश्रा ने कहा कि अपराधियों के हौसले लगातार

बुलंद होते नजर आ रहे हैं। दिनदहाड़े चेन स्नैचिंग जैसी घटनाएं यह सोचने पर मजबूर करती हैं कि शहर की सुरक्षा व्यवस्था आखिर किस दिशा में जा रही है। महिलाएं और आम नागरिक अपने घर से बाहर निकलने में असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। अपराधियों में पुलिस और कानून का भय समाप्त होता दिखाई दे रहा है। यदि कानून व्यवस्था कमजोर रही तो आमजन के बीच असुरक्षा की भावना और गहरी होगी। शहर की सड़कों, प्रमुख चौराहों और संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस गश्त बढ़ाने की आवश्यकता है। साथ ही सीसीटीवी कैमरों की निगरानी और पुराने आपराधिक मामलों में फरार आरोपियों पर भी पुलिस को सख्ती से कार्रवाई करनी चाहिए। श्री मिश्रा ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि चेन स्नैचिंग की घटना में शामिल आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि अपराधियों के खिलाफ सख्त और त्वरित कार्रवाई ही आमजन के बीच कानून व्यवस्था के प्रति विश्वास कायम कर सकती है।

भाजयुमो के जिला अध्यक्ष बने अजय गुप्ता

सीधी। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष द्वारा जिले में भाजयुमो के जिला अध्यक्ष के रूप में अजय गुप्ता को नियुक्त किया गया है। मालूम हो कि करीब तीन दशक से वैश्य समाज को युवा मोर्चा में स्थान न मिलने से लोगों में नाराजगी भी थी जहां कि युवा के टीम में अजय गुप्ता को महत्वपूर्ण स्थान जिला अध्यक्ष के रूप में दी गई है। जिसको लेकर सभी भाजपा नेताओं में खुशी देखने को मिल रही है। भाजपा के जिला पदाधिकारियों ने ट्वीट कर उन्हें बधाई भी दिए हैं। अब देखना है कि युवा मोर्चा में नए अध्यक्ष बनने के बाद वह कितनी कामयाबी हांसिल करेंगे। यह तो आने वाला समय बताएगा। उसके पहले निशांत मिश्रा कंपू अध्यक्ष रहे हैं। उनका कार्यकाल खत्म होने के आठ माह बाद प्रदेश के 15 जिला अध्यक्षों में सीधी में भी अजय गुप्ता को युवा मोर्चा की कमान सौंपी गई है।

सोनम के समर्थन व शिक्षा व्यवस्था बचाने शहर में पदयात्रा

- राष्ट्रपति के नाम सौंपा गया ज्ञापन

रीवा, नगर संवाददाता।

देश में शिक्षा व्यवस्था की पारदर्शिता, युवाओं के भविष्य की सुरक्षा तथा सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के समर्थन में आज रीवा में कॉलेज चौराहा स्थित विवेकानंद पार्क से कमिश्नरी कार्यालय तक पदयात्रा निकाली गई। पदयात्रा के उपरांत महामहिम राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन प्रशासन के माध्यम से सौंपा गया। इस अवसर पर ई. दीपक सिंह, पूर्व महापौर प्रत्याशी एवं पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रीवा ने कहा कि देश में लगातार नीट सहित विभिन्न भर्ती एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक की घटनाओं ने लाखों युवाओं के भविष्य को

संकट में डाल दिया है। यह अत्यंत गंभीर विषय है, जिस पर सरकार को प्रभावी एवं कठोर कदम उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सोनम वांगचुक लंबे समय से जनहित एवं पर्यावरण संरक्षण सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रख रहे हैं। लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को अपनी मांगों और विचारों को शांतिपूर्ण ढंग से रखने का संवैधानिक अधिकार है।

एसपी से जानमाल की गुहार

बदमाश के खिलाफ अब तक नहीं हुई कार्यवाही, दहशत में परिवार

- सोहागी अंतर्गत सोनौरी चौकी से जुड़ा प्रकरण

रीवा, नगर संवाददाता।

रीवा जिले के थाना सोहागी अंतर्गत सोनौरी चौकी क्षेत्र से दबंगई और खुलेआम जान से मारने की धमकी देने का एक गंभीर मामला सामने आया है। ग्राम पंचायत बारीकला निवासी पीड़ित मणिप्रसाद चतुर्वेदी को ग्राम चौरा निवासी मोहम्मद इस्लाम उर्फ लालखान द्वारा फोन पर सीधे तौर पर अंग-भंग करने और जान से मारने की धमकी दी जा रही है, जिससे पीड़ित का पूरा परिवार भयभीत है। पीड़ित ने इस संबंध में साक्ष्य कॉल रिकॉर्डिंग व अन्य सबूतों के साथ सोनौरी चौकी प्रभारी और थाना प्रभारी सोहागी को लिखित शिकायत सौंपकर आरोपी के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज करने और कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की मांग की है।

क्या है पूरा मामला

शिकायत के अनुसार, मामला कई महीने पुराना है जब पीड़ित मणिप्रसाद चतुर्वेदी के अस्वस्थ भाई बालेंद्र चतुर्वेदी के साथ आरोपी मोहम्मद इस्लाम उर्फ लालखान और उसकी पत्नी मारपीट कर रहे थे। बीच-बचाव करने पहुंचे मणिप्रसाद को देख आरोपी पक्ष गाली-गलौज करते हुए मौके से चला गया और बाद में साजिश के तहत मणिप्रसाद का नाम भी एक मारपीट के मामले में घसीट दिया। इसके बाद आरोपी लालखान ने पीड़ित के भाई योगेंद्र चतुर्वेदी का खेत अधिया साझेदारी पर लिया था, लेकिन फसल कटने के बाद जबरदस्ती पूरी फसल अपने साझेदार लक्ष्मण आदिवासी का अपने घर उठा ले गया। इसी दौरान आरोपी ने पीड़ित से खेत में रुकने के लिए खोपा सहायता के रूप में लिया था।

फोन पर दी जान से मारने और गाड़ी भिड़ाने की धमकी

विवाद तब गहराया जब 10 जुलाई 2026 की शाम पीड़ित मणिप्रसाद ने आरोपी को फोन कर अपना खोपा वापस मांगा। इस पर भड़कते हुए लालखान ने फोन पर मां-बहन की अश्लील गालियां दीं और कहा, जो करना हो कर लो, रास्ते में जहां भी मिलोगे जान से मार दूंगा या गाड़ी भिड़ा दूंगा। हद तो तब हो गई जब इसके ठीक एक घंटे बाद रात करीब 9 बजे आरोपी ने पीड़ित के पुत्र को भी सीधे फोन लगाया और धमकी देते हुए कहा, मणिप्रसाद चौरा, सोनौरी या कहीं भी मिल गया, तो उसे अंग-भंग करके जान से मार दूंगा। भले ही मुझे जेल जाना पड़े, आमने-सामने से गाड़ी भिड़ा दूंगा।

चौकी प्रभारी और थाना प्रभारी को सौंपी शिकायत

पीड़ित परिवार सोनौरी चौकी प्रभारी को पूरे मामले से अवगत कराया। चौकी प्रभारी के निर्देशानुसार 12 जुलाई को पीड़ित मणिप्रसाद चतुर्वेदी ने साक्ष्यों सहित लिखित आवेदन सौंपकर आरोपी मोहम्मद इस्लाम उर्फ लालखान, उसकी पत्नी और पुत्रों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर तत्काल गिरफ्तार करने की मांग की है,लेकिन अभी तक सकारात्मक कार्यवाही पुलिस द्वारा नही की गयी। पीड़ित की माने तो 14 जुलाई 26 को आरोपी पीड़ित के छोटे भाई के पास फोन करके फिर से मारने पीटने की धमकी दी है। पीड़ित ने थाना प्रभारी सोहागी को भी 16 जुलाई 2026 को लिखित शिकायत पत्र सौंप कर तत्काल कार्यवाही की मांग की गई है। पीड़ित का कहना है कि उसके और परिवार के साथ किसी भी प्रकार की कोई अप्रिय घटना घटती है तो आरोपी के साथ समस्त जिम्मेदारी चौकी प्रभारी सोनौरी और थाना प्रभारी सोहागी की होगी।

सैनिक स्कूल का मनाया गया 65वां स्थापना दिवस समारोह

- सिल्वर व गोल्डन जुबली बैच के के पुरा छात्रों का आगमन

रीवा, नगर संवाददाता।

विंध्य क्षेत्र की शान एवं देश के प्रतिष्ठित आवासीय शिक्षण संस्थानों में अग्रणी सैनिक स्कूल रीवा का 65वाँ स्थापना दिवस समारोह 20 जुलाई 2026 को अत्यंत हर्षोल्लास,गरिमा एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि कर्नल अविनाश रावल वीएसएम प्राचार्य सैनिक स्कूल रीवा रहे। इस अवसर परविंग कमांडर सीएच त्रिलोक कुमार उपप्राचार्य, कमांडर जेएस खोत प्रशासनिक अधिकारी, डॉ.आरएस पाण्डेय वरिष्ठ अध्यापक, समस्त शिक्षकगण,कर्मचारी एवं कैडेट्स उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती नेहा रावल प्रथम महिला सैनिक स्कूल रीवा,विद्यालय के सेवानिवृत्त अध्यापक तथा सिल्वर एवं गोल्डन जुबली बैच के पूर्व छात्र भी समारोह में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 8.30 बजे सैनवा स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात विद्यालय के परेड ग्राउंड पर मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण किया गया तथा कैडेट्स को शपथ दिलाई गई। मुख्य अतिथि ने परेड का निरीक्षण कर कैडेट्स की अनुशासन एवं दक्षता की सराहना की।तत्पश्चात मानेकशॉ सभागार में आयोजित विशेष समारोह का शुभारंभ कैडेट्स द्वारा स्वागत गान की मनमोहक प्रस्तुति से हुआ। इसके उपरांत पद अलंकरण एवं बैनर प्रस्तुति समारोह संपन्न हुआ। शैक्षणिक सत्र के दौरान उत्कृष्ट

प्रदर्शन के आधार पर बेतवा सदन को ओवरऑल चैंपियन,विन्ध्या सदन को एनडी, बैनर तथा चम्बल सदन को स्पोर्ट्स बैनर प्रदान किया गया।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को किया गया सम्मानित

समारोह में विभिन्न कक्षाओं में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के साथ-साथ खेल,साहित्यिक,सांस्कृतिक एवं अन्य सह पाठ्यक्रम गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की वार्षिक स्कूल मैगज़ीन का विमोचन भी किया गया। साथ ही विद्यालय की गौरवशाली यात्रा को प्रदर्शित करती टाइम मशीन की विशेष प्रस्तुति ने उपस्थित सभी अतिथियों एवं पूर्व छात्रों को भावविभोर कर दिया। मुख्य अतिथि ने विद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए गत वर्ष की प्रमुख उपलब्धियों, वर्तमान विकास कार्यों तथा भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यालय को उत्कृष्टता के नए आयामों तक पहुंचाने के लिए सभी के सामूहिक सहयोग एवं समर्पण की सराहना की।

मैत्री फुटबाल मैंच ने लोगों का जीता दिल

स्थापना दिवस समारोह के अंतर्गत सायं 4 बजे विद्यालय के फुटबॉल मैदान में वर्तमान एवं पूर्व छात्रों के मध्य मैत्री फुटबॉल मैच का आयोजन किया गया, जिसने सभी का उत्साहवर्धन किया। इसके उपरांत विद्यालय मेस में आयोजित भव्य आम.समारोह ;मैंगो फेस्ट में सभी अतिथियों, पूर्व छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं कैडेट्स ने सहभागिता कर स्थापना दिवस के उल्लास को साझा किया।

टीएल की समीक्षा बैठक में निगमायुक्त ने दिए निर्देश

अवैध डेयरी संचालकों, कबाड़ व्यवसायियों व अतिक्रमणकारियों के खिलाफ चलाये अभियान

रीवा, नगर संवाददाता।

निगम आयुक्त अक्षत जैन ने सोमवार को निगम सभागार में टीएल समीक्षा बैठक आयोजित कर शहरवासियों से जुड़े विभिन्न जनहितकारी विषयों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में वर्षाकाल के दौरान नागरिक सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने, जलभराव, दुर्घटना संभावित खुली नालियों पर कवर, सड़कों पर पैचवर्क एवं त्वरित मरम्मत, फायर सेफ्टी, ई-ऑफिस व्यवस्था तथा अन्य महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। बैठक के दौरान निगम आयुक्त ने वर्षा ऋतु के दृष्टिगत शहर की सड़कों का निरीक्षण कर चिन्हित किए गए पैचवर्क कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि शीघ्र ही पैचवर्क एवं आवश्यक सड़कों की मरम्मत कर नागरिकों के लिए सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित किया

जाए,विशेष रूप से स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, प्रमुख बाजार एवं अधिक यातायात वाले क्षेत्रों में पैचवर्क को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने दुर्घटना संभावित खुले ड्रेनों को शीघ्र कवर करने तथा जलभराव की समस्या के समाधान के लिए आवश्यक स्थानों पर ह्यूम पाइप स्थापित करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने अवैध डेयरी संचालकों, कबाड़ी व्यवसायियों, अतिक्रमणकारियों तथा वार्डों में गंदगी एवं दुर्गंध फैलाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध की गई कार्रवाई की समीक्षा करते हुए आगामी सप्ताह के लिए लक्ष्य निर्धारित कर नियमानुसार सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जाए, जिनके कारण अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न होती है अथवा सार्वजनिक मार्ग एवं आवागमन बाधित होता है।

अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन न करने वालों पर हो कार्यवाहीं

बैठक में निगम आयुक्त ने नगर निगम क्षेत्र के सभी व्यावसायिक भवनों से संबंधित फायर सेफ्टी के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करने वाले संस्थानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने नगर निगम मुख्यालय एवं सभी जोन कार्यालयों में इस सप्ताह से फाइलों का संचालन शत-प्रतिशत ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही निर्माण विभागों के सभी प्रगतिरत कार्यों की जानकारी नियमित रूप से ई-नगरपालिका पोर्टल पर अद्यतन रखने के निर्देश दिए। बैठक में संबल योजना के लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। निगम आयुक्त ने सभी वार्ड प्रभारियों को सात दिवस से अधिक लंबित मामलों का परीक्षण कर अगले दिवस तक प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

नशामुक्त समाज के निर्माण में सहयोग देने विद्यार्थियों से दिलायी गई शपथ

रीवा। मध्यप्रदेश पुलिस के नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत रीवा जिले में लगातार जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में टीआरएस कॉलेज रीवा में पुलिस अधिकारियों ने छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में डीएसपी (मुख्यालय) हिमानी पाठक, निरीक्षक वीरेन्द्र पटेल एवं रक्षित निरीक्षक दिलीप तिवारी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए नशे के सामाजिक, मानसिक और शारीरिक दुष्परिणामों की जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि परिवार और पूरे समाज पर भी इसका गंभीर असर पड़ता है। विद्यार्थियों को नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

संपादकीय

ऑपरेशन 'दो-तिहाई'

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का 'ऑपरेशन दो-तिहाई' लगभग अंजाम तक पहुंच चुका है और एनसीपी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने 'परिसीमन संशोधन बिल' को समर्थन का संकेत देकर अपने 8 सांसदों का दलबदल बचा लिया है। संभावनाएं बन रही हैं कि पवार एनडीए में भी शामिल हो सकते हैं, लेकिन उसके लिए प्रधानमंत्री मोदी के निर्देशानुसार गृहमंत्री शाह का आग्रह है कि एनसीपी के दोनों गुट आपस में विलय कर एक संगठित पार्टी बनाएं और फिर एनडीए का हिस्सा बनें। एनसीपी का जो गुट दिवंगत अजित पवार के नेतृत्व में टूटा था, वह महाराष्ट्र और केंद्र में एनडीए का हिस्सा है। चुनाव आयोग ने भी इसी गुट को 'असली एनसीपी' की मान्यता दी है, लेकिन मामला अब भी सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। बहरहाल 'ऑपरेशन दो-तिहाई' प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और भाजपा के लिए 'नाक का सवाल' है, क्योंकि बीती 17 अप्रैल को 'परिसीमन संशोधन बिल' लोकसभा में परास्त हो गया था। मोदी सरकार के कार्यकाल में यह पहली अत्यंत महत्वपूर्ण संसदीय पराजय थी, लिहाजा सरकार अब तभी यह संशोधन बिल संसद में लाएगी, जब लोकसभा में उसका दो-तिहाई बहुमत निश्चित हो जाएगा। संविधान संशोधन बिल को पारित कराने की यह संवैधानिक शर्त है कि दो-तिहाई बहुमत का समर्थन होना चाहिए। लोकसभा में फिलहाल 540 सदस्य हैं, जिसका दो-तिहाई 360 है, बिल पारित कराने की संवैधानिक, संसदीय व्यवस्था यह है कि मतविभाजन के समय जितने सांसद सदन में हैं, उनका दो-तिहाई बहुमत होना लाजिमी है, लेकिन सदन में कमोबेश 50 फीसदी सदस्य उपस्थित होने चाहिए। लोकसभा में भाजपा के 240 सांसद हैं, लेकिन एनडीए के पक्ष में कुल 293 सांसद हैं। पिछली बार छोटे दलों के 5 सांसदों ने भी संविधान संशोधन बिल के समर्थन में मतदान किया था, लिहाजा एनडीए के 298 सांसद माने जा सकते हैं। तृणमूल कांग्रेस के जिन 20 सांसदों ने बगावत कर पालाबदल किया था, उसके बाद अब वे 'नेशनल सिटिजन पार्टी ऑफ इंडिया' के सांसद हैं। त्रिपुरा और बंगाल की यह बौनी-सी, गुमनाम पार्टी पहले से ही एनडीए की घटक है, लिहाजा 'ऑपरेशन दो-तिहाई' के तहत इन 20 सांसदों को गिनते हुए एनडीए को 318 सांसदों का समर्थन हो जाता है। 'असली शिवसेना' (एकनाथ शिंदे वाली) ने उद्धव गुट में सेंध लगाई और 'चाणक्य भाजपा' की सहायता से 6 सांसदों को तोड़ कर पार्टी में शामिल भी कर लिया गया। नतीजतन एनडीए के 324 सांसद हो गए। अब 'गिद्ध-दृष्टि' तमिलनाडु की प्रमुख पार्टी द्रमुक पर है। लोकसभा में उसके 22 सांसद हैं। गौरतलब यह है कि अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री काल में, तत्कालीन द्रमुक अध्यक्ष करुणानिधि की सहमति से, एनडीए और भारत सरकार में भाजपा-द्रमुक साथ-साथ रहे हैं। ऐसा कोई वैचारिक विभाजन नहीं है। दोनों के बीच कोई 'लक्ष्मण-रेखा' भी नहीं है। हालांकि द्रमुक के कुछ नेताओं ने 'सनातन' के लिए बेहद अभद्र, अश्लील, अमर्यादित शब्दों का इस्तेमाल किया था। राजनीति में ऐसे आचरण, दुर्व्यवहार अक्सर भुला दिए जाते हैं। यदि द्रमुक के 22 सांसद लोकसभा में संशोधन बिल को समर्थन देते हैं, तो एनडीए के पक्ष में 346 सांसद हो सकते हैं। शरद पवार की पार्टी के 8 सांसदों का समर्थन लगभग तय माना जा रहा है, लिहाजा सत्ता-पक्ष के 354 सांसद हो सकते हैं। यह कोई सामान्य संख्या नहीं है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने ठीक ही कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी 2029 तक देश का 'राजनीतिक नक्शा' बदल देना चाहते हैं। चूंकि महिला आरक्षण कानून को लागू करने के लिए देश में परिसीमन करना अनिवार्य है, लिहाजा नए बिल में ऐसा प्रावधान हो सकता है कि सभी राज्यों की 50 फीसदी लोकसभा सीटें बढ़ाई जाएंगी। परिसीमन उसी आधार पर किया जाएगा।

खतरनाक वायरसों से निपटेगी एआई निर्मित वैक्सीन

मुकुल व्यास

लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं

हंता वायरस और इबोला जैसे खतरनाक वायरसों के मामले सामने आने के बाद लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए एक समग्र और प्रभावी वैक्सीन का विकास बहुत आवश्यक हो गया है। अभी दशकों से वैज्ञानिक वैक्सीन के विकास में ज्यादातर एक ही पैटर्न का अनुसरण करते आ रहे हैं। जब एक खतरनाक वायरस सामने आता है तो वैज्ञानिक उसे पहचान कर एक वैक्सीन बनाते हैं। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं को अब लगता है कि उन्होंने शायद वैक्सीन विकास के उस मॉडल को उलटने का एक तरीका ढूंढ़ लिया है। एक समग्र वैक्सीन की तलाश कर रहे वैज्ञानिकों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से एक वैक्सीन डिजाइन की है।

शोधकर्ताओं का दावा है कि दुनिया में पहली बार एआई का इस्तेमाल करके बनाई गई पूरी तरह से नई वैक्सीन में कई तरह के वायरस के खिलाफ काम करने और दुनिया को भविष्य में होने वाली महामारी से बचाने की क्षमता है। इस वैक्सीन ने शुरुआती मानव सुरक्षा परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, जिससे उम्मीद जगी है कि भविष्य की वैक्सीन न सिर्फ जाने-पहचाने वायरसों से बल्कि उनके नए वेरिएंट और उन रोगाणुओं से भी बचा सकती हैं जो अभी सामने आने वाले हैं। यह सफलता एक ऐसी टेक्नोलॉजी पर आधारित है जो एआई का इस्तेमाल करके एक ऐसी तत्व को डिजाइन करती है जिसे शोधकर्ता 'सुपर-एंटीजन' कहते हैं। यह वैक्सीन का मुख्य हिस्सा है जो इम्यून सिस्टम को संक्रमण को पहचानने और उससे लड़ने के लिए प्रशिक्षित करता है। किसी एक वायरस की किस्म को लक्षित करने के बजाय, इस टेक्नोलॉजी का उद्देश्य वायरस के पूरे परिवारों से सुरक्षा प्रदान करना है।

अभी प्रचलित वैक्सीन आमतौर पर वायरस के मौजूदा संस्करण का इस्तेमाल करके बनाई जाती हैं। निस्संदेह इस तरीके से लाखों जानें बची हैं, लेकिन इस विधि की कुछ कमियां भी हैं। इन्फ्लूएंजा और सार्स-कोव-2 जैसे वायरस लगातार परिवर्तित होते रहते हैं, जिससे विज्ञानियों को नए स्ट्रेन के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए वैक्सीन को बार-बार अपडेट करना पड़ता है।

कैम्ब्रिज टीम ने एक अलग रास्ता अपनाया। दुनिया भर के निगरानी कार्यक्रम से इकट्ठा किए गए आनुवंशिक डेटा का इस्तेमाल करके शोधकर्ताओं ने विभिन्न कोरोनावायरस से मिली जानकारी को मशीन-लर्निंग सिस्टम में डाला। एआई ने वायरस के फीचरों का विश्लेषण किया और उन तत्वों की पहचान की जिनके रोगाणुओं के विकसित होने पर बदलने की संभावना सबसे कम थी। फिर टीम ने एक एंटीजन डिजाइन किया जो किसी एक खास स्ट्रेन के बजाय कई तरह के मिलते-जुलते वायरस के खिलाफ इम्यून रिस्पॉन्स उत्पन्न कर सकता है। पहले मानव परीक्षण में 39 स्वस्थ वॉलंटियर शामिल थे और इसे खास तौर पर यह पता लगाने के लिए डिजाइन किया गया था कि वैक्सीन सुरक्षित है या नहीं। शोधकर्ताओं ने पाया कि वैक्सीन ने कई प्रकार के कोरोनावायरस के खिलाफ इम्यून रिस्पॉन्स पैदा

किया। खास बात यह है कि परीक्षण में शामिल वॉलंटियर ने सार्स और उससे जुड़े बैट कोरोनावायरस के खिलाफ भी इम्यून रिस्पॉन्स पैदा किए, जिनके बारे में वैज्ञानिकों का मानना ??है कि वे भविष्य में जानवरों से इंसानों में आ सकते हैं। हालांकि, शोधकर्ताओं ने चेताया है कि अब तक देखा गया इम्यून रिस्पॉन्स मामूली रहा है और असल दुनिया में सुरक्षा के बारे में कोई भी नतीजा निकालने से पहले बहुत बड़े अध्ययन की जरूरत है।

वैज्ञानिकों का एक अन्य दल वायरसों को लक्षित करने के लिए साउंड वेव का इस्तेमाल कर रहा है। ये साउंड वेव मेडिकल स्कैन में पहले से इस्तेमाल हो रही हैं। प्रयोगशाला में किए गए प्रयोगों में वैज्ञानिकों ने दिखाया है कि किस तरह अल्ट्रासाउंड के ब्लास्ट इन्फ्लूएंजा ए और सार्स-कोव-2 को विखंडित कर सकते हैं, जो कोविड-19 का कारण बनता है। प्रयोग से पता चला है कि अल्ट्रासाउंड वेव से होने वाले सूक्ष्म कंपन वायरस के कणों के आसपास की झिल्लियों को तोड़ने के लिए काफी हैं, जिससे वायरस निष्क्रिय हो जाते हैं। बाजील में साओ पाउलो यूनिवर्सिटी की एक टीम ने इस रिसर्च का नेतृत्व किया है। टीम में शामिल वैज्ञानिकों को यकीन है यह तरीका एक दिन ऐसे वायरस के लिए एंटीवायरल और केमिकल डिसइंफेक्टेंट का विकल्प बन सकता है, जिनकी बाहरी झिल्ली कमजोर होती है। ये प्रयोग अस्पतालों में इस्तेमाल होने वाली अल्ट्रासाउंड मशीनों के साथ किए गए, जिसमें वायरस 3ङ्क20 मेगाहर्ट्ज रेंज में अल्ट्रासाउंड फ्रीक्वेंसी के संपर्क में आए। शोधकर्ताओं ने भौतिक बदलावों के स्नैपशॉट लिए और फिर टेस्ट किया कि क्या ट्रीट किए गए सार्स-कोव-2 सैंपल अभी भी मेजबान कोशिकाओं के लैब मॉडल को संक्रमित कर सकते हैं। वायरस की बाहरी परत के नष्ट होने के साफ सबूत मिले और इसके बाद सार्स-कोव-2 की मॉडल मेजबान कोशिकाओं को संक्रमित करने की क्षमता तेजी से कम हो गई।

दरअसल, यह तरीका अकूस्टिक रेजोनेंस (ध्वनिक प्रतिध्वनि) पर निर्भर करता है। इसमें अल्ट्रासाउंड फ्रीक्वेंसी और वायरस कणों का आकार दोनों मायने रखते हैं। इसके पीछे विचार यह है कि साउंड वेव की फ्रीक्वेंसी वायरस के आवरण की प्राकृतिक कंपन फ्रीक्वेंसी से मेल खाती है, जिससे प्रवर्धित कंपन होते हैं जो इसे नष्ट कर देते हैं। असल में सिर्फ वायरस ही साउंड वेव की एनर्जी पर रिस्पॉन्ड करता है, मेजबान कोशिकाओं पर नहीं। टेस्ट की गई कंडीशन में वायरस के कण आसपास की कोशिकाओं की तुलना में कहीं ज्यादा कमजोर दिखे। टीम को उम्मीद है कि उनका नया तरीका दूसरे वायरल इन्फेक्शन पर भी काम करेगा, और उन्होंने पहले ही यह जांच शुरू कर दी है कि डेंगू, ज़ीका और चिकनगुनिया को उसी तरह कैसे टारगेट किया जा सकता है।

अल्ट्रासाउंड आम तौर पर दर्द रहित होता है और इस्तेमाल में आसान होता है। इसे ठीक से लक्षित किया जा सकता है। इसी वजह से शोधकर्ता इसका इस्तेमाल करने के कई नए तरीके खोज रहे हैं, जिनमें दिमाग में दर्द से राहत और कैंसर का इलाज शामिल है। नई खोज रोमांचक है, लेकिन यह अभी इलाज नहीं है। अल्ट्रासाउंड फ्रीक्वेंसी को और बेहतर बनाने के अलावा अभी भी बहुत काम करना बाकी है। यह स्टडी जानवरों या इंसानों पर किसी प्रयोग के बजाय लैब टेस्ट तक सीमित थी और सिर्फ दो अलग-अलग तरह के वायरसों पर की गई थी। यह महज एक शुरुआत है लेकिन इस टेक्नोलॉजी ने खतरनाक वायरसों से निपटने का एक बिल्कुल नया तरीका पेश किया है।

सिंधु की धारा में मौन सिसकी की आहट

जयसिंह रावत

वरिष्ठ पत्रकार

अमरनाथ यात्रा इस समय अपने चरम पर है, लेकिन यात्रा के पहले ही हफ्ते में बर्फानी शिवलिंग के 60 प्रतिशत तक गल जाने के कारण श्रद्धालुओं को भारी निराशा का सामना करना पड़ा है। पवित्र बर्फीले शिवलिंग के नियत समय से पहले गलने की आवृत्ति और तीव्रता पिछले कुछ सालों में अप्रत्याशित रूप से बढ़ गई है। वास्तव में, यह संकट केवल बर्फानी बाबा तक सीमित नहीं है, बल्कि समूचे सिंधु नदी के जल संभरण (कैचमेंट) क्षेत्र में गहराई से पैर पसार चुका है। पर्यटकों और तीर्थयात्रियों की अत्यधिक भीड़, भारी निर्माण कार्यों से उड़ते धूल के गुबार और लाखों की संख्या में दौड़ते वाहनों के प्रदूषण ने इस ऐतिहासिक नदी के अस्तित्व को ही गंभीर संकट में डाल दिया है।

सिंधु नदी, जिसने 'हिंदुस्तान' और 'इंडिया' को वैश्विक पहचान दी और 'सिंधु घाटी सभ्यता' को जन्म दिया, आज अपने अस्तित्व के सबसे गंभीर संकट में है। एशिया की यह जीवनदायिनी नदी करोड़ों लोगों की आजीविका और खाद्य सुरक्षा का आधार है। करीब 11 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला यह बेसिन 'थर्ड पोल' का हिस्सा है। यहां के ग्लेशियर, जो सिंधु के 50 प्रतिशत जल प्रवाह का स्रोत हैं, तेजी से सिकुड़ रहे हैं। आईसीआईएमओडी की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2000 के बाद इस क्षेत्र में ग्लेशियरों के पिघलने की गति लगभग दोगुनी हो गई है। वर्ष 1990 से 2020 के बीच इस पूरे क्षेत्र ने अपने ग्लेशियर क्षेत्रफल का लगभग 12 प्रतिशत हिस्सा खो दिया।

वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी के वैज्ञानिकों का कहना है कि अब सर्दियों की भारी बर्फबारी का समय बदल रहा है। पहले जो हिमपात दिसंबर से फरवरी के बीच होता था, उसका बड़ा हिस्सा अब मार्च और अप्रैल में हो रहा है, जिससे ग्लेशियरों का प्राकृतिक पुनर्भरण लगातार कमजोर हो रहा है। सोनमर्ग से जोजिला दर्रे तक ऐसा प्रतीत होता है मानो पूरी सिंध घाटी धूल और धुएं की एक घनी चादर में लिपट गई हो। पर्यटकों के वाहनों की लंबी कतारें, यात्रा की रसद में जुटे बेतहाशा ट्रक, सैन्य बलों के काफिले और मेगा सड़क तथा सुरंग निर्माण परियोजनाओं में लगे भारी अर्थ-मूविंग वाहन प्रतिदिन हजारों की संख्या में इस अत्यंत संकरी और संवेदनशील घाटी से गुजरते हैं। इन वाहनों के पीछे उठते धूल के गुबार और डीजल का काला धुआं हवा के

साथ सीधे ऊपर सदियों पुराने हिमनदों की ओर बढ़ते साफ दिखाई देते हैं। सोनमर्ग के निकटवर्ती थजीवास, मचोई और बालटाल के ऊपरी क्षेत्रों में मौजूद ग्लेशियरों की उजली बर्फीली सतह पर मटमैली परत नंगी आंखों से देखी जा सकती है। कदम-कदम पर होने वाले भूस्खलन वाहनों की आवाजाही के दौरान इस धूल को और बढ़ाते हैं। विज्ञान का सीधा-सा नियम है कि स्वच्छ, सफेद बर्फ सूर्य के विकिरण का लगभग 80 से 90 प्रतिशत हिस्सा वापस अंतरिक्ष में परावर्तित कर देती है, जिसे अल्बीडो प्रभाव कहा जाता है। लेकिन जब इसी बर्फ की सतह पर धूल, डीजल वाहनों की कालिख या निर्माण कार्यों से उड़ने वाला ब्लैक कार्बन जम जाता है, तो बर्फ का परावर्तन गुण तेजी से घट जाता है। गहरे रंग की यह परत सूर्य की अधिक ऊष्मा को अवशोषित करने लगती है, जिससे बर्फ के पिघलने की गति सामान्य से 30 से 40 प्रतिशत तक अधिक तेज हो जाती है। कश्मीर की सिंध नदी, जो आगे चलकर झेलम और अंततः सिंधु प्रणाली का प्रमुख हिस्सा बनती है, का उद्गम इन्हीं क्षेत्रों में है।

सिंधु बेसिन के ऊपरी क्षेत्रों, विशेषकर लद्दाख, सोनमर्ग और अमरनाथ यात्रा मार्ग में अनियंत्रित पर्यटन ने पर्यावरण पर दबाव डाल दिया है। लद्दाख जैसे शीत मरुस्थल की वहन क्षमता अत्यंत सीमित है, लेकिन वहां प्रतिवर्ष लगभग 5.5 से 6 लाख पर्यटक पहुंच रहे हैं, जबकि वहां की स्थायी आबादी मात्र तीन लाख के आसपास है। पर्यटन के चरम मौसम में प्रतिदिन हजारों डीजल वाहन संवेदनशील क्षेत्रों तक पहुंचते हैं, जिससे न केवल ठोस कचरे और प्लास्टिक का संकट बड़ा हुआ है, बल्कि जल स्रोतों पर भी दबाव पड़ रहा है। जिन क्षेत्रों में कभी प्राकृतिक झरनों का जल पूरे वर्ष उपलब्ध रहता था, वहां अब गर्मियों में पानी का संकट दिखाई देने लगा है। अमरनाथ यात्रा निस्संदेह भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा है, और सामरिक सुरक्षा के लिए ऑल-वेदर कनेक्टिविटी सुरंगें भी राष्ट्र की प्राथमिकता हैं। लेकिन क्या हिमालय जैसे अत्यंत संवेदनशील और युवा पहाड़ की धारण क्षमता का आकलन किए बिना यह सब अनियंत्रित रूप से होना चाहिए?

वैज्ञानिक अब सिंधु नदी के भविष्य को लेकर 'पीक वाटर' की अवधारणा की चर्चा कर रहे हैं। शुरुआती दशकों में तेजी से पिघलने के कारण नदी में जल प्रवाह बढ़ता हुआ दिखाई देगा, जिससे बाढ़ की घटनाएं बढ़ेंगी। लेकिन जैसे-जैसे हिमनद पूरी तरह सिकुड़ जाएंगे, जल प्रवाह स्थायी रूप से घटने लगेगा। इसका सबसे अधिक प्रभाव सिंचाई, पेयजल और खाद्य सुरक्षा पर पड़ेगा। सिंधु बेसिन पहले ही विश्व के सर्वाधिक जल तनाव वाले नदी तंत्रों में शामिल है, और आगामी दशकों में यह संकट करोड़ों लोगों के अस्तित्व को दांव पर लगा सकता है। संयुक्त राष्ट्र ने इस संकट की गंभीरता को देखते हुए वर्ष 2025-2034 को 'क्रायोस्फेरिक साइंसेज के लिए कार्रवाई का दशक' घोषित किया है। सिंधु के संरक्षण के लिए स्थानीय स्तर पर वैज्ञानिक आधार पर पर्यटन प्रबंधन, केवल भारत स्टेज-6 या इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रवेश की अनुमति, निर्माण मलबे का वैज्ञानिक निस्तारण और प्रत्येक संवेदनशील क्षेत्र की वहन क्षमता के अनुरूप आगंतुकों की सीमा तय करना आवश्यक है। सिंधु आज भी बह रही है, लेकिन उसकी धारा में भविष्य की एक मौन सिसकी और गंभीर चेतावनी भी बह रही है।

कहां चला गया पुलिस के हाथों में लहराने वाला डंडा

संजय सक्सेना

वरिष्ठ पत्रकार

उत्तर प्रदेश की सड़कों पर वर्षों तक एक दृश्य बेहद सामान्य हुआ करता था, जो अब केवल पुरानी यादों या पुलिस थानों की धूल फांकती फाइलों में सिमट कर रह गया है। खाकी वर्दी पहने एक पुलिस कर्मी, जिसके हाथ में एक लंबी, मजबूत और पॉलिश की हुई बेंत की लाठी होती थी, जिसे स्थानीय भाषा में हम डंडा कहते हैं। वह डंडा केवल पुलिस की वर्दी का एक अनिवार्य अंग मात्र नहीं था, बल्कि वह उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था का वह आधार स्तंभ था, जो बड़े से बड़े मनचलों और अराजक तत्वों को केवल अपनी मौजूदगी से ही अनुशासित कर देता था। एक समय था जब चौराहों पर ट्रैफिक नियंत्रित करते हुए या भीड़ भरे इलाकों में गश्त करते हुए पुलिस वाले के हाथ का वह डंडा किसी भी विवाद को पल भर में शांत करने के लिए पर्याप्त होता था। उस डंडे के प्रति अपराधियों के मन में एक स्वाभाविक और गहरा खौफ था, जो उन्हें कानून की लक्ष्मण रेखा लाँघने से पहले सोचने पर मजबूर कर देता था। लोग कहते हैं कि वह डंडा केवल लकड़ी का टुकड़ा नहीं, बल्कि राज्य के इकबाल और कानून के शासन का प्रतीक था। जब कोई उपद्रवी या अपराधी सड़क पर कानून को अपने हाथ में लेने की कोशिश करता, तो पुलिस वाले के हाथ का वह डंडा एक मूक चेतावनी की तरह काम करता था। उस दौर में पुलिस को किसी भी स्थिति को संभालने के लिए हथियारों के प्रयोग या बल की अधिक आवश्यकता नहीं पड़ती थी, क्योंकि वह डंडा एक मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने में सक्षम था। पुलिस कर्मियों के लिए वह डंडा उनकी सुरक्षा कवच भी था और उनके काम का अभिन्न साथी भी। लेकिन समय के साथ स्थितियां बदलने लगीं और पुलिस के हाथों से यह डंडा धीरे-धीरे गायब होने लगा। इस बदलाव के पीछे कई जटिल कारण हैं, जिसमें मानवाधिकार संगठनों की बढ़ती सक्रियता और न्यायपालिका की सख्त होती टिप्पणियां प्रमुख हैं। बीते कुछ दशकों में मानवाधिकारों के प्रति वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर जागरूकता बढ़ी है, जिसका परिणाम यह हुआ कि पुलिस के हर कदम की बारीकी से जांच होने लगी। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने तर्क दिया कि पुलिस के हाथ में लाठी का होना अनियंत्रित बल के प्रयोग को बढ़ावा देता है, जिससे नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन हो सकता है। उनके अनुसार, सभ्य समाज में पुलिस को डंडे के बल पर नहीं, बल्कि कानून के तर्क और तकनीकी कौशल के आधार पर काम करना चाहिए। इसके साथ ही, न्यायपालिका ने भी अपने विभिन्न निर्णयों में पुलिस की कार्यप्रणाली पर कड़े सवाल उठाए और यह स्पष्ट किया कि बल का प्रयोग केवल अंतिम विकल्प के रूप में ही किया जाना चाहिए। पुलिस द्वारा किसी भी प्रकार के शारीरिक बल के इस्तेमाल पर कोर्ट की निगरानी और मीडिया की पैनी नजर ने पुलिस कर्मियों को रक्षात्मक मुद्रा में ला दिया। इन परिस्थितियों ने उत्तर प्रदेश की पुलिस के भीतर एक तरह का डर पैदा कर दिया कि कहीं उनका कोई छोटा सा कदम, जो ड्यूटी के नाते आवश्यक था, उनके लिए कानूनी मुसीबत या निलंबन का कारण न बन जाए। धीरे-धीरे, पुलिस ने खुद को विवादों से बचाने के लिए अपने हाथ से वह डंडा छोड़ देना ही बेहतर समझा। आज स्थिति यह है कि सड़क पर कानून-व्यवस्था संभालने वाले हमारे पुलिस कर्मी एक अजीब सी लाचारी के दौर से गुजर रहे हैं। बिना डंडे के, वे उन उपद्रवियों और मनचलों के सामने निहत्थे से महसूस होते हैं, जो कानून का सम्मान करने के बजाय पुलिस के संयम को उनकी कमजोरी समझने लगे हैं। जब पुलिस कर्मी के हाथ में डंडा नहीं होता, तो अराजक तत्वों का मनोबल बढ़ता है क्योंकि उन्हें पता होता है कि सामने खड़ा पुलिस वाला कानूनी पचड़ों के डर से हाथ नहीं उठा सकता। यह लाचारी केवल पुलिस कर्मियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आम जनता के लिए भी एक चिंता का विषय है। अक्सर देखा गया है कि छेड़खानी के मामलों में, छोटी-मोटी मारपीट या दंगों जैसी स्थितियों में पुलिस के हाथ में मौजूद वह डंडा ही था, जो फौरन शांति स्थापित कर देता था। अब उसके न होने से पुलिस को भीड़ को नियंत्रित करने के लिए वैकल्पिक तरीकों जैसे आंसू गैस के गोले, लाठीचार्ज के बड़े ऑपरेशन्स या अन्य बल प्रयोगों का सहारा लेना पड़ता है, जिसमें समय भी अधिक लगता है और जनहानि का खतरा भी बढ़ जाता है। डंडे के जरिए जो काम एक पल में हो जाता था, आज उसी के लिए पुलिस को लंबी प्रशासनिक प्रक्रियाओं और बल प्रयोग के आरोपों का सामना करना पड़ता है। पुलिस के हाथ से डंडा छिन जाने का मतलब केवल एक उपकरण का जाना नहीं है, बल्कि यह राज्य के इकबाल और सड़क पर पुलिस की उपस्थिति के प्रभाव में आई कमी का द्योतक है। खाकी और डंडे का जो समन्वय दशकों से चला आ रहा था, उसके टूटने से पुलिस के आत्मविश्वास पर भी असर पड़ा है। आज का पुलिस कर्मी इस दुविधा में जीता है कि वह कानून का पालन कैसे कराए, जबकि उसके पास उस डंडे का संरक्षण नहीं है, जो बिना किसी को नुकसान पहुँचाए ही अनुशासन कायम कर देता था। न्यायपालिका और मानवाधिकारों का सम्मान करना निस्संदेह आवश्यक है और पुलिस का निरंकुश होना किसी भी लोकतंत्र में स्वीकार्य नहीं है, लेकिन इस प्रक्रिया में उस माध्यम को पूरी तरह खत्म कर देना, जो शांति व्यवस्था बनाए रखने में सबसे अधिक प्रभावी था, एक विचारणीय प्रश्न है। क्या हम एक ऐसे समाज की ओर बढ़ रहे हैं, जहाँ पुलिस को तकनीकी और आधुनिक उपकरणों के नाम पर इतना सीमित कर दिया जाएगा कि वह सड़क पर कानून की धज्जियां उड़ाने वालों के सामने असहाय दिखेगी? समाज में अनुशासन बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है कि पुलिस को उचित कानूनी सुरक्षा और संसाधन मिले, ताकि वह बिना किसी अनावश्यक भय के अपना कर्तव्य निभा सके। बहरहाल, डंडे के बिना पुलिस का सड़क पर होना ऐसा ही है जैसे किसी सिपाही का बिना ढाल के युद्ध के मैदान में उतरना। आने वाले समय में नीति निर्माताओं को यह सोचना होगा कि कानून के शासन और मानवाधिकारों के बीच एक संतुलन कैसे बनाया जाए, ताकि पुलिस के हाथ का वह %प्रतीकात्मक डंडा% फिर से अपनी गरिमा और प्रभाव के साथ वापस लौट सके, जो अपराधियों के मन में डर और आम नागरिकों के मन में सुरक्षा का भाव पैदा करता था। पुलिस की इस लाचारी को खत्म करना केवल पुलिस कर्मियों के मनोबल के लिए ही नहीं, बल्कि एक सुरक्षित और अनुशासित समाज के लिए भी अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि कानून का इकबाल बना रहेगा तभी समाज में व्यवस्था का कायम रहना संभव हो सकेगा।

अमृत सिद्धि योग में 25 को मनाई जाएगी देवशयनी एकादशी, बनेंगे कई शुभ संयोग

ग्वालियर। आषाढ़ शुक्ल पक्ष की देवशयनी (हरिशयनी) एकादशी इस वर्ष 25 जुलाई, शनिवार को मनाई जाएगी। ज्योतिषाचार्य सुनील चोपड़ा के अनुसार, इस बार देवशयनी एकादशी पर अमृत सिद्धि योग, ब्रह्म योग, इंद्र योग और शिववास योग जैसे दुर्लभ एवं शुभ संयोग बन रहे हैं, जिससे इस दिन भगवान विष्णु की पूजा, व्रत और दान का विशेष महत्व बढ़ जाता है।

हिंदू मान्यता के अनुसार, देवशयनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु चार माह के लिए क्षीरसागर में योगनिद्रा में चले जाते हैं। इसके साथ ही चातुर्मास का शुभारंभ हो जाता है। चातुर्मास के दौरान विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन जैसे मांगलिक कार्य नहीं किए जाते, जबकि जप, तप, व्रत, पूजा और भगवान की भक्ति का विशेष फल प्राप्त होता है। भगवान विष्णु चार महीने बाद देवउठनी एकादशी पर योगनिद्रा से जागते हैं। ज्योतिषाचार्य सुनील चोपड़ा ने बताया कि इस दिन श्रद्धापूर्वक व्रत और भगवान विष्णु की आराधना करने से पापों का नाश होता है तथा मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है।

निःस्वार्थ भोजन सेवा सबसे बड़ा पुण्य कार्यः शास्त्री

लक्ष्मीगंज स्थित आराधना बैंक्विट हॉल में आयोजित संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिन भागवताचार्य पंडित घनश्याम शास्त्री महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह का भावपूर्ण एवं मनोहारी प्रसंग सुनाया। कथा के दौरान विवाहोत्सव भक्तिभाव और उल्लास के साथ मनाया गया। पं. घनश्याम शास्त्री ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि सरकारी अस्पतालों में मरीजों और उनके परिजनों को नि:स्वार्थ भाव से भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। उन्होंने कहा कि सच्ची सेवा वही है, जो बिना किसी अपेक्षा के जरूरतमंदों के लिए की जाए। उन्होंने बताया कि श्याम रसोई के माध्यम से ग्वालियर के शासकीय अस्पताल में प्रतिदिन जरूरतमंद मरीजों और उनके परिजनों को नि:शुल्क भोजन उपलब्ध कराया जाता है। यह सेवा 'नर सेवा ही नारायण सेवा' के भाव को चरितार्थ करती है और समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। कथा के समापन पर शांति देवी पाण्डेय, राजीव पाण्डेय, राजेश पाण्डेय, दिनेश पाण्डेय आदि ने श्रीमद्भागवत कथा की आरती उतारी।

'गुरुदेव अपने दास पर इतनी कृपा कीजिए'

धार्मिक संस्था शिव शक्ति भजन मंडल के संस्थापक ब्रह्मलीन महंत जगत राम जी चचड़ा 'गोजरे वाले' के 29वें पुण्य स्मरण दिवस पर हरिहर मंदिर, आदर्श कॉलोनी में श्रद्धा और भक्ति के साथ माता की चौकी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उनके परिवार, शिष्यों एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने गुरु के प्रिय भजनों का गायन कर उन्हें भावांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना से हुआ। इसके बाद श्रद्धालुओं ने 'मेरी माता दिया चुनरिया सतरंगिया', 'झूला झूलती भवानी', 'जमुना किनारे पर बंसी बजे', 'कैसे द्वारा नंद के शिव जी ने नाद नचाया' तथा 'गुरुदेव अपने दास पर इतनी कृपा कीजिए, अपनी कृपा का हाथ मेरे सिर पर रख दीजिए' सहित अनेक भक्तिमय भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों के बीच श्रद्धालु भक्ति रस में डूबे रहे। कार्यक्रम के समापन पर हनुमानजी और भैरव बाबा का स्मरण कर माता की चौकी की पूर्णाहुति की गई। इस अवसर पर उमेश बत्रा, घनश्याम टुटेजा, रघुवीर बत्रा, जगदीश गुगनानी, धर्मेंद्र तलरेजा आदि उपस्थित रहे।

कोयला वाले हनुमान मंदिर पर भागवत कथा आज से

मोतीझील स्थित श्रीचिंताहरण कोयला वाले हनुमान मंदिर पर 22 जुलाई से कथा आरंभ होगी। कथा से पूर्व इसी दिन सुबह 11 बजे पौ वाले बाबा बायपास से भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें महिलाएं पीली साड़ी पहनकर शामिल होंगी। सोमवार को 251 महिलाओं को कलश यात्रा के लिए पीली साड़ियां बांटी गईं। कार्यक्रम संयोजक प्रेम बरौनिया ने बताया कि हर वर्ष की भांति कोयला वाले हनुमान पर मंदिर के पुजारी संतोष भैया के सानिध्य में यह आयोजन होने जा रहा है। कथा व्यास श्रीधाम वृंदावन के पं. शरद कुमार शास्त्री होंगे। 22 जुलाई को कथा आरंभ होगी और 23 जुलाई को कथा स्थल पर कन्या विवाह आयोजित किया जाएगा। 24 को ध्रुव चरित्र, 25 को समुद्र मंथन एवं श्रीकृष्ण जन्म, 26 को श्रीकृष्ण बाल लीला, 27 को रुक्मिणी विवाह, 28 को सुदामा चरित्र के साथ कथा विश्राम एवं 29 को हवन पूर्णाहुति एवं भण्डारा होगा।

गुरु पूर्णिमा पर निकलेगी साईं बाबा की पालकी यात्रा

गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर 29 जुलाई बुधवार को साईं श्रद्धा सबूरी सेवा दल समिति के तत्वावधान में भव्य साईं बाबा पालकी चल समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष साईं बाबा नई आकर्षक पालकी में विराजमान होकर नगर भ्रमण करेंगे। समिति के अध्यक्ष संजय कट्ठल ने बताया कि शाम 5 बजे पालकी यात्रा साईं बाबा मंदिर, गाडवे की गोठ से प्रारंभ होगी। यात्रा माधौगंज, गोरखी, स्काउट, महाराज बाड़ा, सराफा बाजार, डीडवाना ओली, पाटनकर बाजार, ऊंट पुल, ओल्ड हाईकोर्ट, जयेंद्रगंज, नदी गेट, शिंदे की छावनी और फूलबाग होते हुए साईं बाबा मंदिर, विकास नगर पहुंचेगी। यहां बाबा की महाआरती के साथ चल समारोह का समापन होगा। यात्रा में डीजे साउंड, बैंड, आकर्षक विद्युत सज्जा, खलील का महाराष्ट्र ढोल, साईं बाबा की बग्घी, मनमोहक धार्मिक झांकियां, श्याम सुंदर घोड़ा, बाबा की धूनी और लोभान की रथी विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगी। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालु पालकी का स्वागत करेंगे तथा पुष्पवर्षा कर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे।

बच्चों ने निकाली भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा

शताब्दीपुरम स्थित सेंसोरियम बैगलेस स्कूल में सोमवार को भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा श्रद्धा के साथ निकाली गई। इस अवसर पर स्कूल के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने पारंपरिक वेशभूषा में भाग लिया और भगवान जगन्नाथ, बलभद्र एवं बहन सुभद्रा की सजी-धजी प्रतिमाओं के रथ को खींचा। स्कूल की प्रधानाचार्य शैली तिवारी ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य बच्चों को भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और नैतिक संस्कारों से परिचित कराना है, ताकि वे अपनी सांस्कृतिक विरासत को समझें और उससे जुड़ाव महसूस करें।

महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती पर निकला चल समारोह

प्रजापति समाज सेवा समिति के तत्वावधान में श्री श्री 1008 महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती के अवसर पर चल समारोह डबरा स्थित शुगर फैक्ट्री चौराहे से निकाला गया। समारोह में समाज के युवा पूरे जोश और उमंग के साथ जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। चल समारोह के लिए पूरे मार्ग को आकर्षक बैनर और पोस्टरों से सजाया गया था। जगह-जगह समाज के लोगों द्वारा पानी, शरबत और स्वल्पाहार की व्यवस्था कर शोभायात्रा का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने समाज की एकजुटता, उत्थान और विकास पर विचार व्यक्त किए। साथ ही बच्चों को आधुनिक शिक्षा से जोड़ने और बेटियों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त केशव बघेल, विधायक सुरेश राजे, भाजपा जिला महामंत्री जवाहर प्रजापति, राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र प्रजापति, राष्ट्रीय प्रजापति हितकारणी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ख्यालेन्द्र प्रजापति, राजवीर प्रजापति, नंदराम प्रजापति, रमेश प्रजापति, जगमोहन प्रजापति, होतम सिंह प्रजापति आदि शामिल रहे।

प्लॉट दिलाने का झांसा देकर 10 लाख ठगे

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

गोला का मंदिर थाना क्षेत्र में प्लॉट दिलाने का झांसा देकर दस लाख रुपए की ठगी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित को पहले ठग ने प्लॉट दिखाया और फिर बहाने से दस लाख रूपए ले लिए और समय सीमा बीत जाने के बाद भी प्लॉट नहीं दिलाया और न ही रकम लौटाई। आरोपित की नीयत में खोट आने पर पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने ठगी के प्रकरण की जांच शुरू कर दी है।

गोवर्धन कॉलोनी में रहने वाले मनोज पुत्र बलवीर यादव 40 वर्ष की अमन शंखवार से वर्ष 2025 में पहचान हुई थी। अमन ने मनोज को प्लॉट दिलाने की बात कही तो वह उसकी बातों में आ गया। मनोज ने अमन पुत्र संतोष वशंकार निवासी नूरगंज को 10 सितम्बर 2025 को पांच लाख रुपए नकद दिए तो वहीं पांच लाख रुपए आरटीजीएस के माध्यम से उसके खाते में भेजे। रुपए देने के काफी समय बाद भी जब कोई प्लॉट पीड़ित को नहीं दिलाया तो मनोज से कहा। पहले तो वह आजकल करता रहा, लेकिन बाद में वह प्लॉट दिलाने के लिए गुमराह करने लगा। मनोज को जब प्लॉट नहीं मिला तो उसने अपनी रकम वापस मांगी, लेकिन उसे भी लौटाने में वह आनाकानी करने लगा। कई बार तकादा करने के बाद जब प्लॉट और नकदी नहीं मिली तो फरियादी ने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने धोखाधड़ी के मामले की पड़ताल करने के बाद अमन के खिलाफ प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया है। पुलिस अब आरोपित की तलाश में जुट गई है।

पूल पार्टी में रेन डांस और गेम्स ने बांधा समां

ग्वालियर। जेएसजी संगिनी नारीशक्ति ग्वालियर द्वारा आयोजित 'संगिनी मौज-मस्ती पूल पार्टी 2026' हर्ष, उल्लास और आत्मीयता के माहौल में संपन्न हुई। गोवा थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में संगिनी सदस्यों और उनके अतिथियों ने पूल मस्ती, रेन डांस, संगीत, मनोरंजक खेलों का भरपूर आनंद लिया। दिनभर चले मनोरंजक आयोजनों में सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। पूल पार्टी, रेन डांस और संगीत की धुनों पर सभी देर तक झूमते रहे, जिससे पूरा परिसर आनंद और उमंग से सराबोर रहा। इस अवसर पर लकी ड्रॉ भी आयोजित किया गया, जिसमें शिल्पा जैन (चेतकपुरी) ने प्रथम, रीना अमन जैन ने द्वितीय, ममता जैन ने तृतीय और सविता जैन ने चतुर्थ पुरस्कार प्राप्त किया। गेम-1 में रितु जैन प्रथम, अन्नू जैन द्वितीय और रेनू जैन तृतीय स्थान पर रहीं। वहीं गेम-2 में पूनम जैन ने प्रथम, सुधा जैन ने द्वितीय तथा सीमा जैन ने तृतीय स्थान हासिल किया। सभी विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में साधना जैन, सुप्रिया जैन, अनीता जैन, सचिव दिव्या जैन आदि उपस्थित रहीं।

हर शिक्षण संस्थान में मनाया जाए गुरुपूर्णिमा उत्सव

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

भारतीय शिक्षण मंडल ने ग्वालियर के सभी विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों एवं कोचिंग संस्थानों से गुरुपूर्णिमा उत्सव में सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया है। मंडल के छह प्रमुख राष्ट्रीय कार्यक्रमों में शामिल इस अभियान के तहत 10 अगस्त तक शहर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में गुरुपूर्णिमा उत्सव आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा, भारतीय ज्ञान परंपरा, सांस्कृतिक मूल्यों, संस्कारों तथा राष्ट्र निर्माण में गुरु की भूमिका से परिचित कराया जाएगा।

भारतीय शिक्षण मंडल के पदाधिकारियों ने बताया कि गुरुपूर्णिमा पर होने वाली व्यास पूजा

गुरु सम्मान और भारतीय ज्ञान परंपरा का प्रतीक है। महर्षि वेदव्यास को भारतीय ज्ञान-संपदा का आधार स्तंभ माना जाता है। इस अवसर पर विद्यार्थियों के बीच प्रेरक उद्बोधन, संवाद और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से गुरु के प्रति श्रद्धा और भारतीय संस्कृति के महत्व का संदेश दिया जाएगा। अभियान की तैयारियों के तहत वक्ता कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें भारतीय शिक्षण मंडल के प्रांत सह-संयोजक राजीव किशोर उपाध्याय ने मार्गदर्शन दिया। कार्यशाला में अखिल भारतीय संयुक्त महामंत्री पंकज नाफड़े विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यशाला में प्रभावी वक्तृत्व, कार्यक्रम की रूपरेखा, उद्देश्य तथा विद्यार्थियों तक भारतीय शिक्षा-दृष्टि और ज्ञान परंपरा को प्रभावी ढंग से पहुंचाने के विभिन्न आयामों पर विस्तार से चर्चा की। गुरुपूर्णिमा उत्सव के ग्वालियर संयोजक नितेश गोस्वामी हैं, जबकि सह-संयोजक राजेंद्र खटीक एवं अपर्णा कुशवाह को बनाया गया है। आयोजन टोली में मनीष लिमये, त्रिलोचन भट्ट एवं राघवेंद्र पाल शामिल हैं। मंडल ने गुरुपूर्णिमा उत्सव के सफल संचालन के लिए ग्वालियर महानगर को चार क्षेत्रों में विभाजित कर व्यापक कार्ययोजना तैयार की है। प्रत्येक क्षेत्र में अधिक से अधिक शिक्षण संस्थानों तक पहुंचकर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वक्ताओं को शीघ्र ही विषय-वस्तु एवं प्रमुख बिंदु उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि सभी कार्यक्रम एक समान उद्देश्य और प्रभाव के साथ संपन्न हो सकें। भारतीय शिक्षण मंडल का उद्देश्य इस अभियान के माध्यम से नई पीढ़ी को भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा, सांस्कृतिक मूल्यों और राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा से जोड़ना तथा शिक्षा को भारतीय दृष्टिकोण से सशक्त बनाना है।

एसडीओपी जितेंद्र नगाइच को दी भावभीनी विदाई

भितरवार। करीब तीन वर्ष तक भितरवार में अपनी सेवाएं देने के बाद एसडीओपी जितेंद्र नगाइच के दतिया स्थानांतरण पर रविवार को उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। विदाई समारोह की शुरुआत दाऊ धाम मंदिर से हुई, जहां विधिवत पूजन-अर्चना के बाद एसडीओपी नगाइच को सुसज्जित रथ पर बैठाकर बैंड-बाजों और ढोल-नगाड़ों की धुन पर नगर भ्रमण कराया गया। कृष्ण लॉज तक कई संगठनों एवं नागरिकों ने उनका पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। साथ ही उनके कार्यकाल की सराहना की। नगर परिषद उपाध्यक्ष मन्नू यादव ने कहा कि उन्होंने अपराध नियंत्रण के साथ-साथ सामाजिक गतिविधियों में भी सक्रिय भूमिका निभाई, जिससे लोगों के बीच उनकी अलग पहचान बनी। थाना प्रभारी सुधीर सिंह कुशवाहा ने कहा कि एसडीओपी जितेंद्र नगाइच ने अपने सहज व्यवहार और कार्यशैली से नगरवासियों का विश्वास जीता।

बारिश में सड़क बनाने की जल्दबाजी बनी मुसीबत, डामर से भरा डंपर पलटा

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

मानसून की दस्तक के बीच नगर निगम द्वारा सड़कों के निर्माण कार्य को पूरा करने की जल्दबाजी अब सवालों के घेरे में आ गई है। सोमवार को ग्वालियर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में जयारोग्य गेट से कमलाराजे चौराहा तक चल रहे डामरीकरण कार्य के दौरान बड़ा हादसा टल गया। हॉटमिक्स प्लांट से गर्म डामर लेकर पहुंचा डंपर अचानक खराबी आने से एक ओर झुक गया और देखते ही देखते सड़क किनारे पलटने की स्थिति में पहुंच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार डंपर में हॉटमिक्स मटेरियल भरा हुआ था। जयारोग्य अस्पताल गेट के पास पहुंचते ही वाहन का पिन टूट गया, जिससे डंपर का संतुलन बिगड़ गया। चालक ने वाहन को संभालने का काफी प्रयास किया, लेकिन वजन अधिक होने के कारण डामर से भरा मटेरियल सड़क किनारे फैल गया। इससे कुछ देर के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। घटना की सूचना मिलते ही ठेकेदार रॉबिन सक्सेना ने तत्काल हाइड्रा मशीन बुलवाई। इसके बाद डंपर को सुरक्षित उठाया गया और सड़क से मटेरियल हटाकर यातायात व्यवस्था बहाल कराई गई। राहत की बात यह रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

बारिश में डामरीकरण पर उठे सवाल

मानसून के दौरान सड़क निर्माण को लेकर अब सवाल खड़े होने लगे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि बारिश के मौसम में सड़क की सतह गीली होने और तापमान कम होने के कारण हॉटमिक्स मटेरियल सही तरीके से सेट नहीं हो पाता। ऐसे में नई बनाई गई सड़क के जल्दी खराब होने और उखड़ने की आशंका बढ़ जाती है।

शहर में पिछले कुछ दिनों से रुक-रुककर बारिश हो रही है, इसके बावजूद डामरीकरण का काम जारी है। लोगों का कहना है कि यदि जल्दबाजी में सड़क बनाई गई और वह कुछ ही समय में खराब हो गई तो इसका नुकसान सीधे शहरवासियों को उठाना पड़ेगा।

जिम्मेदारी पर अधिकारी चुप

यह सड़क क्षेत्र जोन-21 और जोन-12 की सीमा में आता है। निर्माण कार्य की निगरानी को लेकर निगम के जिम्मेदार अधिकारी स्पष्ट जवाब देने से बचते नजर आए। स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के पहले काम पूरा करने की जल्दबाजी में गुणवत्ता से समझौता नहीं होना चाहिए।

खेत पर जा रहे अधिवक्ता को मारी गोली, मौत

■ चचेरे भाई, भतीजे पर फायरिंग का आरोप

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

हरसी रोड स्थित खेत के समीप सोमवार को अधिवक्ता रतन सिंह यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई। गंभीर रूप से घायल अधिवक्ता को पहले भितरवार अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने ग्वालियर रेफर कर

दिया। ग्वालियर में उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। थाना प्रभारी सुधीर सिंह का आरोप लगाया है। सूचना कुशवाहा ने बताया कि अधिवक्ता रतन सिंह यादव अपने खेत पर कृषि कार्य के लिए जा रहे थे। इसी दौरान हरसी रोड स्थित खेत के पास परिवार के ही कुछ लोगों ने उन पर फायरिंग कर दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल रतन सिंह यादव ने पुलिस को दिए बयान में अपने चचेरे भाई राकेश यादव, भतीजे राहुल यादव तथा गब्बर रावत पर गोली चलाने

को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद ग्वालियर रेफर कर दिया। जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में मामला जमीन विवाद से जुड़ा बताया जा रहा है। हालांकि, पुलिस सभी बिंदुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। पुलिस ने आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है और मामले की विवेचना जारी है। पुलिस ने देर रात रतन सिंह यादव की हत्या के आरोपी राहुल यादव और राकेश यादव को गिरफ्तार कर लिया।

240 बहनों ने लिया प्रशिक्षण

भजन बना समाज जागरण का माध्यम

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

सेवा भारती के ग्वालियर एवं लश्कर जिले द्वारा रविवार को अलग-अलग स्थानों पर आयोजित वार्षिक प्रशिक्षण वर्ग-भजन मंडली में कुल 240 बहनों ने सहभागिता कर सेवा, संस्कार और संगठन के कार्यों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का संकल्प लिया। ग्वालियर जिला का प्रशिक्षण वर्ग बिरला नगर स्थित गदाईपुरा में आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ग्वालियर विभाग के संघचालक प्रहलाद सबनानी रहे, जबकि अध्यक्षता डॉ. धर्मेन्द्र ने की। प्रथम सत्र में सेवा

भारती के उद्देश्य और कार्यों की जानकारी देते हुए बताया गया कि संगठन शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन और संस्कार के क्षेत्र में समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाने के लिए कार्य करता है। दूसरे सत्र में ग्वालियर विभाग के सह सेवा प्रमुख विनोद बिदुआ एवं जिला सचिव डॉ. दिनेश चौहान ने भजन मंडली की कार्यपद्धति पर प्रकाश डाला।

तृतीय सत्र में स्वामी ऋषभदेवानंद ने कहा कि सामूहिक भजन केवल आध्यात्मिक साधना नहीं, बल्कि मानसिक शांति का प्रभावी माध्यम है। कार्यक्रम में 130 बहनों की उपस्थिति रही। वहीं सेवा भारती लश्कर जिला द्वारा संजय नगर स्थित न्यू सेवा भारती भवन में आयोजित प्रशिक्षण वर्ग में केशव नगर, शिवाजी नगर, स्वामी विवेकानंद नगर और गरगज नगर की भजन मंडलियों की 110 बहनों ने भाग लिया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह संघचालक रवि अग्रवाल एवं सेवा भारती की प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य विनीत जैन का मार्गदर्शन मिला, जबकि अध्यक्षता अलका गुप्ता ने की। चारों सत्रों में सेवा भारती के उद्देश्यों, भजन मंडली संचालन, भजन के महत्व और केन्द्र संचालन की विस्तृत जानकारी दी गई। भजन मंडली की कार्य पद्धति के बारे में विस्तार से जानकारी राजेश चौरसिया एवं डॉ. सुरेंद्र प्रधान ने दी। भजन के महत्व पर जानकारी स्वामी गोपाल गिरि महाराज ने दी। कार्यक्रम में शशांक सोमानी, शोभा उबराड़े, नीतू जाटव, पूनम परिहार, ज्योति बाथम, संगीता सोनी तथा पूर्णकालिक कार्यकर्ता सत्येंद्र राजपूत भी उपस्थित रहे।

कैफे के उद्घाटन में गुंडागर्दी संचालक को पीटा

ग्वालियर। गोला का मंदिर थाना क्षेत्र में गुंडागर्दी करने वालों ने एक कैफे के उद्घाटन समारोह में जमकर हंगामा कर संचालक के साथ मारपीट कर दी। कुर्सियां उठाने से मना करने पर हमलावरों ने मारपीट की घटना को अंजाम दिया और धमकी देकर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है। इन्द्रमणि नगर में रहने वाले राजेश सिंह जादौन उर्फ राजू 58 वर्ष के बेटे अमरदीप ने कॉलोनी में ही कैफे द टी थ्योरी नाम से दुकान खोली है। 17 जुलाई को पिता- पुत्र ने कैफे का उद्घाटन किया था और सुंदरकांड का आयोजन भी हुआ था। रात को सभी लोग कार्यक्रम में शामिल होकर चले गए थे। कार्यक्रम में बचा भोजन अमनदीप रेलवे स्टेशन पर गरीबों को देने चला गया था। तभी देर रात को महादेव अकादमी में रहने वाला सूरज गुर्जर और शैलू हर्षाना और एक अन्य बदमाश दुकान से चार कुर्सियां उठाकर ले जाने लगे। राजेश सिंह ने उनको कुर्सियां ले जाने से रोका तो वह गुंडागर्दी पर उतारू हो गए और मारपीट करने लगे। बताया गया है कि हमलावरों ने राजेश के ऊपर लाठी से हमला कर दिया। झगड़े की आवाज सुनकर टेंट का काम करने वाले कर्मचारी आ गए और राजेश को बचाया। मारपीट में घायल राजेश थाने पहुंचा और पुलिस को घटना के बारे में बताया। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

कान्यकुब्ज की बैठक में सामाजिक मुद्दों पर हुई चर्चा

ग्वालियर। कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज महासभा, ग्वालियर की मासिक बैठक चेतकपुरी में हुई। अध्यक्षता स्वामी हरिहरानंद ने की। बैठक में समाज के उत्थान एवं संगठन को मजबूत बनाने के लिए विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। सदस्यों ने जरूरतमंद एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की सहायता, समाज में पारिवारिक गोष्ठियों के नियमित आयोजन तथा सामाजिक गतिविधियों को और प्रभावी बनाने पर अपने विचार रखे। बैठक में आरएन शुक्ला, अभिषेक द्विवेदी, प्रवीण दुबे, संतोष अवस्थी, दीपेन्द्र अवस्थी, पवन शर्मा, अजय मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस और गणित का गहरा संबंध

आज का युग विज्ञान और तकनीक का युग है। हमारे दैनिक जीवन का लगभग हर क्षेत्र तकनीक से जुड़ चुका है। स्मार्टफोन, वॉयस असिस्टेंट, ऑनलाइन अनुवाद, चौटबॉट और चेहरे की पहचान जैसी सुविधाएँ आज सामान्य बन गई हैं। इन सभी आधुनिक तकनीकों के केंद्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस है। यह तकनीक कंप्यूटर और मशीनों को मानव की तरह सीखने, सोचने और निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करती है। किंतु बहुत कम लोग जानते हैं कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की वास्तविक शक्ति गणित से प्राप्त होती है।

गणित, एआई की आधारशिला- गणित केवल संख्याओं और सूत्रों का विषय नहीं, बल्कि तर्क, विश्लेषण और समस्या-समाधान की भाषा है। एआई के विकास में बीजगणित, रेखीय बीजगणित, सांख्यिकी, प्रायिकता तथा कलन जैसी गणितीय शाखाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जब कोई कंप्यूटर विशाल मात्रा में डेटा का विश्लेषण करता है या किसी समस्या का समाधान खोजता है, तब वह इन्हीं गणितीय सिद्धांतों और एल्गोरिदम का उपयोग करता है।

हमारे जीवन में एआई और गणित

आज हम मोबाइल फोन में वॉयस असिस्टेंट, स्मार्ट कैमरा, ऑनलाइन अनुवाद, चौटबॉट और फेस रिकग्निशन जैसी सुविधाओं का उपयोग करते हैं। इन सभी तकनीकों के पीछे जटिल गणितीय एल्गोरिदम कार्य करते हैं। उदाहरण के लिए, जब कोई व्यक्ति मोबाइल में बोलकर प्रश्न पूछता है, तो एआई उसकी आवाज़ को पहचानने और उसका अर्थ समझने के लिए गणितीय मॉडल का सहारा लेता है। इसी प्रकार सोशल मीडिया प्लेटफ र्म उपयोगकर्ताओं की रुचियों का विश्लेषण कर उन्हें उपयुक्त सामग्री दिखाते हैं, जिसमें सांख्यिकी और प्रायिकता का व्यापक उपयोग होता है।

शिक्षा में एआई और गणित का योगदान

शिक्षा के क्षेत्र में भी एआई और गणित का महत्व निरंतर बढ़ रहा है। आज अनेक डिजिटल शिक्षण प्लेटफॉर्म विद्यार्थियों की सीखने की गति, क्षमता और कमजोरियों का विश्लेषण कर उन्हें व्यक्तिगत अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराते हैं। इससे विद्यार्थियों को अपनी कमियों को दूर करने और बेहतर प्रदर्शन करने में सहायता मिलती है। यह पूरी प्रक्रिया गणितीय गणनाओं और डेटा विश्लेषण पर आधारित होती है।

स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में उपयोग

स्वास्थ्य सेवाओं में एआई रोगों की पहचान, एक्स-रे और एमआरआई रिपोर्ट के विश्लेषण तथा उपचार की योजना बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। डॉक्टरों को सटीक जानकारी उपलब्ध कराने के लिए एआई लाखों आँकड़ों का अध्ययन करता है, जो गणितीय मॉडल और सांख्यिकीय विश्लेषण पर आधारित होता है। इसके अतिरिक्त बैंकिंग, परिवहन, कृषि, उद्योग और व्यापार जैसे क्षेत्रों में भी एआई कार्यक्षमता और उत्पादकता बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो रहा है।

भविष्य की आवश्यकता गणितीय सोच

आने वाले समय में एआई का प्रभाव और अधिक बढ़ेगा। इसलिए विद्यार्थियों के लिए गणित की मजबूत समझ विकसित करना अत्यंत आवश्यक है। गणित केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने का विषय नहीं, बल्कि आधुनिक तकनीकों को समझने, विकसित करने और नई खोज करने की कुंजी है। जो विद्यार्थी गणितीय सोच विकसित करेंगे, वे भविष्य की तकनीकी दुनिया में नए अवसरों का निर्माण कर सकेंगे।

आरती शर्मा
शिक्षक
हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी
डुमना, जबलपुर

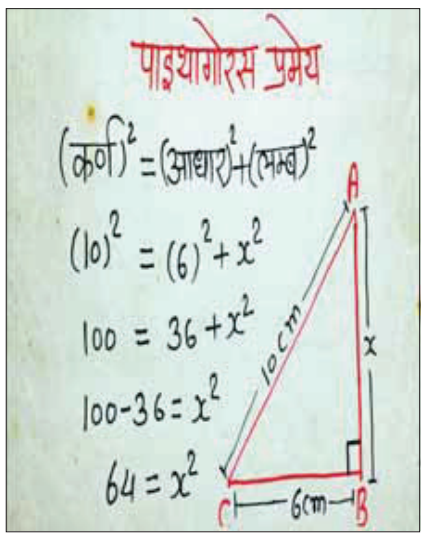

पायथागोरस प्रमेय: त्रिभुज का सबसे प्रसिद्ध गणितीय सिद्धांत

गणित की दुनिया में कुछ सिद्धांत ऐसे हैं जिनका उपयोग सदियों से किया जा रहा है। पायथागोरस प्रमेय भी ऐसा ही एक महत्वपूर्ण सिद्धांत है। यह केवल विद्यालयी पाठ्यक्रम का हिस्सा नहीं है, बल्कि इंजीनियरिंग, वास्तुकला, सर्वेक्षण, कंप्यूटर ग्राफिक्स और विज्ञान के अनेक क्षेत्रों में भी उपयोगी है। इसकी सहायता से समकोण त्रिभुज की भुजाओं का संबंध आसानी से समझा जा सकता है।

पायथागोरस प्रमेय क्या है?

पायथागोरस प्रमेय के अनुसार, किसी समकोण त्रिभुज में कर्ण का वर्ग, शेष दोनों भुजाओं के वर्गों के योग के बराबर होता है। इसे एक सरल उदाहरण द्वारा समझा जा सकता है। यदि किसी समकोण त्रिभुज का आधार 3 सेमी, लंब 4 सेमी है तो, कर्ण 3 का वर्ग प्लस 4 का वर्ग यानि 9 और 16 मिलकर 25 हुए। अर्थात 25 का वर्गमूल 5 होगा। इस प्रकार त्रिभुज की तीसरी भुजा का मान आसानी से ज्ञात किया जा सकता है।

प्रमेय का महत्व

पायथागोरस प्रमेय गणित की सबसे उपयोगी अवधारणाओं में से एक है। इसकी सहायता से समकोण त्रिभुज की अज्ञात भुजा ज्ञात की जाती है। दूरी और ऊँचाई की गणना की जाती है। मानचित्र और सर्वेक्षण कार्य किए जाते हैं। भवनों और पुलों के निर्माण में माप निकाले जाते हैं। कंप्यूटर ग्राफिक्स और गेम डिज़ाइन में दूरी की गणना की जाती है। दैनिक जीवन में उपयोग की बात करें तो दीवार पर सीढ़ी लगाने में, पतंग की डोर की लंबाई का अनुमान लगाने में, भवन निर्माण और वास्तुकला में, सड़क और पुल निर्माण में तथा मोबाइल की जीपीएस और नेविगेशन तकनीक में पायथागोरस प्रमेय का प्रयोग किया जाता है।

रुबिक क्यूब: रंगों के इस खेल में छिपा है अद्भुत विज्ञान

रुबिक क्यूब दुनिया की सबसे लोकप्रिय पहेलियों में से एक है। पहली नज़र में यह केवल रंगों वाला एक खिलौना लगता है, लेकिन वास्तव में इसके पीछे गणित, तर्क, ज्यामिति और संयोजन विज्ञान का अद्भुत मेल छिपा हुआ है। यही कारण है कि रुबिक क्यूब आज केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि गणित और दिमागी क्षमता को विकसित करने का प्रभावी माध्यम भी माना जाता है।

रुबिक क्यूब क्या है?

रुबिक क्यूब एक घनाकार पहेली है, जिसके प्रत्येक फलक पर अलग-अलग रंग होते हैं। इसका उद्देश्य क्यूब को इस प्रकार घुमाना है कि हर फलक पर केवल एक ही रंग दिखाई दे। इस पहेली का आविष्कार 1974 में हंगरी के वास्तुकार और प्रोफेसर एर्नो रुबिक ने किया था।

रुबिक क्यूब में गणित कहाँ छिपा है- क्यूब का हर घुमाव एक निश्चित गणितीय नियम का पालन करता है। जब हम किसी एक परत को घुमाते हैं, तो कई छोटे घन अपनी जगह बदलते हैं। इन सभी संभावित स्थितियों का अध्ययन संयोजन विज्ञान और समूह सिद्धांत के माध्यम से किया जाता है।

कितने तरीकों से रुबिक क्यूब को सजाया जा सकता है?

रुबिक क्यूब की संभावित अवस्थाएँ लगभग 43,252 ,003,274,489, 856,000 (लगभग 43 क्विंटिलियन) हैं। इतनी बड़ी संख्या का अर्थ है कि यदि आप हर सेकंड एक नई स्थिति देखें, तो सभी संभावित अवस्थाएँ देखने में अरबों वर्ष लग जाएँगे।

गॉड्स नंबर क्या है?

गणितज्ञों ने सिद्ध किया है कि किसी भी उलझे हुए रुबिक क्यूब को अधिकतम 20 चालों में हल किया जा सकता है। इसे गॉड्स नंबर कहा जाता है। इसका मतलब है कि चाहे क्यूब कितना भी उलझा हो, सही विधि अपनाने पर 20 या उससे कम चालों में उसे हल किया जा सकता है।

रुबिक क्यूब सीखने के लाभ

- स्मरण शक्ति बढ़ती है।
- एकाग्रता और धैर्य विकसित होता है।
- तार्किक सोच मजबूत होती है।
- समस्या-समाधान की क्षमता बढ़ती है।
- हाथ और आँखों के बीच बेहतर तालमेल बनता है।

विद्यार्थियों के लिए सीख

रुबिक क्यूब हमें सिखाता है कि कठिन से कठिन समस्या का समाधान भी सही रणनीति, धैर्य और नियमित अभ्यास से संभव है। गणित केवल किताबों के सूत्रों तक सीमित नहीं है। रंगों से भरी यह छोटी-सी पहेली हमें संयोजन विज्ञान, ज्यामिति, एल्गोरिदम और तर्कशक्ति का व्यावहारिक अनुभव कराती है। इसलिए यदि आप गणित को रोचक बनाना चाहते हैं, तो रुबिक क्यूब सीखना एक बेहतरीन शुरुआत हो सकती है।

क्यों 13 अंक को अशुभ मानते हैं?

संख्याएँ केवल गणना का माध्यम नहीं हैं, बल्कि कई संस्कृतियों और परंपराओं में इनके साथ विशेष मान्यताएँ भी जुड़ी हुई हैं। दुनिया के कई देशों में 13 अंक को अशुभ माना जाता है। कुछ लोग इस संख्या वाले कमरे, मंजिल या सीट का उपयोग करने से भी बचते हैं। लेकिन क्या वास्तव में 13 अंक अशुभ है, या यह केवल एक पुरानी धारणा है? आइए इस विषय को सरल भाषा में समझते हैं।

13 अंक को अशुभ क्यों माना जाता है?

13 अंक को अशुभ मानने की मान्यता मुख्य रूप से पश्चिमी देशों से जुड़ी है। समय के साथ यह धारणा कई अन्य देशों तक भी पहुँच गई। इसके पीछे धार्मिक कथाएँ, ऐतिहासिक घटनाएँ और सामाजिक मान्यताएँ प्रमुख कारण मानी जाती हैं।

धार्मिक मान्यता

ईसाई धर्म की एक प्रसिद्ध मान्यता के अनुसार, प्रभु यीशु के अंतिम भोज में कुल 13 लोग उपस्थित थे। इसके बाद यीशु को गिरफ्तार किया गया और उन्हें सूली पर चढ़ाया गया। इसी घटना के कारण कुछ लोगों ने 13 अंक को दुर्भाग्य का प्रतीक मानना शुरू कर दिया।

शुक्रवार और 13 का संयोग

यदि किसी महीने की 13 तारीख शुक्रवार को पड़ती है, तो उसे कई देशों में फ्राइडे दि थर्टीएथ कहा जाता है। कुछ लोग मानते हैं कि इस दिन कोई नया कार्य शुरू नहीं करना चाहिए। हालाँकि, इस विश्वास का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है।

भवनों में 13वीं मंजिल का अभाव

दुनिया के कई बड़े होटल, अस्पताल और व्यावसायिक भवनों में 13वीं मंजिल का नंबर नहीं लिखा जाता। वहाँ 12 के बाद सीधे 14 नंबर दिया जाता है, ताकि अंधविश्वास के कारण लोगों को असुविधा न हो।

मनोवैज्ञानिक प्रभाव

जब किसी व्यक्ति को पहले से यह विश्वास हो जाता है कि 13 अशुभ है, तो यदि उस दिन कोई छोटी-सी समस्या भी हो जाए, तो वह उसका कारण 13 अंक को मान लेता है। मनोविज्ञान में इसे पुष्टिकरण पूर्वाग्रह कहा जाता है।

क्या भारत में भी 13 अशुभ माना जाता है?

भारतीय संस्कृति में 13 अंक को हर जगह अशुभ नहीं माना जाता। कई धार्मिक परंपराओं में इसका सकारात्मक महत्व भी है। उदाहरण के लिए, बैसाखी के अवसर पर मनाया जाने वाला बैसाखी पर्व अक्सर 13 अप्रैल के आसपास आता है, और सिख धर्म में बैसाखी का विशेष महत्व है। इसके अलावा, हिंदू परंपरा में मृत्यु के बाद होने वाली तेरहवीं एक महत्वपूर्ण धार्मिक संस्कार है, जिसे श्रद्धा और सम्मान के साथ किया जाता है।

सी.आर. राव: सांख्यिकी के महान भारतीय वैज्ञानिक

सी. आर. राव भारत के महान गणितज्ञ, सांख्यिकीविद् और वैज्ञानिक थे। उन्हें आधुनिक सांख्यिकी के क्षेत्र में दुनिया के सबसे प्रभावशाली विद्वानों में गिना जाता है। उनके द्वारा विकसित सिद्धांत आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, चिकित्सा, अर्थशास्त्र, डेटा साइंस, इंजीनियरिंग और मौसम विज्ञान जैसे अनेक क्षेत्रों में उपयोग किए जाते हैं। उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि ज्ञान, परिश्रम और शोध के बल पर विश्व स्तर पर सम्मान प्राप्त किया जा सकता है।

प्रारंभिक जीवन

उनका पूरा नाम कल्यांपुडी राधाकृष्ण राव है। उनका जन्म 10 सितंबर 1920 को हडगली (तत्कालीन मद्रास प्रेसीडेंसी, वर्तमान कर्नाटक) में हुआ। बचपन से ही उनकी रुचि गणित में थी। वे कठिन से कठिन गणितीय प्रश्नों को सरलता से हल कर लेते थे।

शिक्षा- उन्होंने आंध्र प्रदेश के विभिन्न विद्यालयों से शिक्षा प्राप्त की। बाद में आंध्र विश्वविद्यालय से गणित की पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय से सांख्यिकी में उच्च शिक्षा प्राप्त की, जहाँ उन्हें महान सांख्यिकीविद् प्रशांत चंद्र महालनोबिस का मार्गदर्शन मिला।

सी. आर. राव के प्रमुख योगदान

राव क्रेमर निम्न सीमा

यह सांख्यिकी का एक अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्धांत है। किसी अनुमान की अधिकतम शुद्धता का पता लगाने में मदद करता है। आज इसका उपयोग मशीन लर्निंग, सिग्नल प्रोसेसिंग और संचार तकनीक में किया जाता है।

राव ब्लैकवेल प्रमेय

यह प्रमेय सांख्यिकी में अनुमान को अधिक सटीक बनाने का तरीका बताता है। इसका उपयोग डेटा विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वैज्ञानिक अनुसंधान में किया जाता है।

फिशर राव दूरी

यह सूचना ज्यामिति का आधार मानी जाती है। इसका उपयोग एआई, मशीन लर्निंग, पैटर्न पहचान, डेटा साइंस में व्यापक रूप से होता है।

प्रमुख पुरस्कार एवं सम्मान

- भारत सरकार का पद्म भूषण (1968)
- पद्म विभूषण (2001)
- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कार और मानद उपाधियाँ
- विश्व की अनेक विज्ञान अकादमियों की सदस्यता

गणित को लेकर घबराहट कहाँ से आती है?

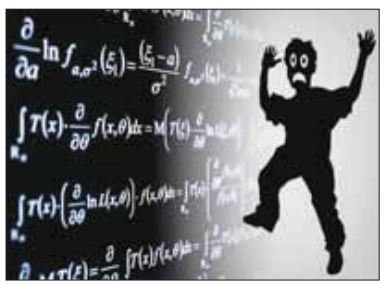

गणित का डर या चिंता वास्तव में काफी आम है। परीक्षा की चिंता की तरह ही, यह मंच पर घबराहट से काफी मिलती-जुलती है। किसी को मंच पर घबराहट क्यों होती है? भीड़ के सामने कुछ गलत हो जाने का डर? संवाद भूल जाने का डर? गलत मूल्यांकन किए जाने का डर? पूरी तरह से ब्लैंक हो जाने का डर? गणित की चिंता किसी न किसी प्रकार का भय पैदा करती है। यह डर कि हम गणित नहीं कर पाएंगे, यह डर कि यह बहुत कठिन है, या असफलता का डर, जो अक्सर आत्मविश्वास की कमी से उत्पन्न होता है। ज्यादातर मामलों में, गणित की चिंता गणित को सही ढंग से करने के बारे में डर है, हमारा दिमाग खाली हो जाता है और हमें लगता है कि हम असफ ल हो जाएंगे, और निश्चित रूप से हमारा दिमाग जितना अधिक निराश और चिंतित होता है, ब्लैंक होने की संभावना उतनी ही बढ़ जाती है। गणित की परीक्षाओं में समय सीमा का अतिरिक्त दबाव भी कई छात्रों के लिए चिंता के स्तर को बढ़ा देता है। गणित का डर आमतौर पर गणित में अप्रिय अनुभवों से उपजता है। आम तौर पर गणित से डरने वालों को गणित इस तरह से पढ़ाया जाता है कि उनकी समझ सीमित हो जाती है। दुर्भाग्य से, गणित का डर अक्सर खराब शिक्षण और गणित में खराब अनुभवों के कारण होता है। जो छात्र गणित से डरते हैं, उनमें से कई गणित को समझने के बजाय उसकी प्रक्रियाओं पर अत्यधिक निर्भर रहते हैं। जब कोई व्यक्ति बिना ज्यादा समझे प्रक्रियाओं, नियमों और विधियों को याद करने की कोशिश करता है, तो गणित जल्दी भूल जाता है और घबराहट शुरू हो जाती है।

शब्द पहेली - 8927

■	1	2		■	■	3	■	4
5	■		■	6			■	
7					■	8	9	
■	■		■	10	11	■		■
12	13		14	■	15	16		
■		■	17	18	■		■	■
19		20	■	21				22
	■	23			■		■	
	■		■	■	24			■

बाएँ से दाएँ

1. उच्च कुल का-3
6. जलज, पंकज, नीरज-3
7. चरित्र, धर्म-5
8. वचन, प्रतिज्ञा-3
10. आनेवाला दिन-2
12. पक्षियों का शोर, पक्षियों की चहचहाट -4
15. अनबन, कहासुनी-4
17. रुपया, पैसा-2
19. भ्रम, संदेह-3
21. कहानी लिखनेवाला-5
23. अंजन-3
24. वजह-3

ऊपर से नीचे

2. अधिवर्ष, 29 फरवरी वाला वर्ष-2,3
3. कंठ, गला-3
4. लाज, लज्जा-3
5. विवाह, ब्याह-2
6. सोना, धतूरा-3
9. टेका, आसरा-3
11. बुरी आदत-2
13. रेखा, लाइन-3
14. हत्या, मर्डर-2
16. नवचंद्राकार -5
18. अनुकृति-3
19. भला कार्य-3
20. घर, गृह, निवास-3
22. युद्ध, संग्राम -2

शब्द पहेली -8926 का हल

■	भ	क्त	■	सा	र	सं	भा	ल
का	या	■	व	ज	ह	■	त	प
ग	न	र	■	न	न	द	■	ल
■	क	स	म	■	स	■	पा	पा
ह	■	म	न	मो	ह	क	■	ना
म	स्त	■	भा	■	न	म	क	■
स	■	क	व	च	■	र	म	ल
फ	ना	■	न	र	म	■	त	ब
र	म	ण	■	म	■	शो	र	■

फीफा विश्व कप 2026 में बने नए कीर्तिमान

फीफा विश्व कप 2026 का ऐतिहासिक संस्करण 39 दिनों तक चले रोमांच, रोमांचक मुकाबलों और नए कीर्तिमानों के साथ संपन्न हो गया। फाइनल में स्पेन ने अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर दूसरी बार विश्व विजेता बनने का गौरव हासिल किया। इस विश्व कप में कई ऐसे रिकॉर्ड बने, जिन्होंने फुटबॉल इतिहास में अपनी अमिट छाप छोड़ी। फीफा विश्व कप 2026 रिकॉर्ड, रोमांच और ऐतिहासिक उपलब्धियों के लिए लंबे समय तक याद किया जाएगा।

मेसी वर्ल्ड कप में हैट्रिक मारने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी

लियोनेल मेसी 38 साल की उम्र में फीफा वर्ल्ड कप में हैट्रिक मारने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने। उन्होंने 16 जून को अल्जेरिया के खिलाफ 3 गोल दागे थे। वर्ल्ड कप में यह उनकी पहली हैट्रिक थी।

एम्बाप्पे के नॉकआउट स्टेज में सबसे ज्यादा व्यक्तिगत गोल

किलियन एमबापे ने फीफा वर्ल्ड कप नॉकआउट स्टेज में 11 गोल करके वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। यह उपलब्धि उन्होंने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ 16 मैच में पराग्वे के खिलाफ हासिल की थी। उन्होंने रोनाल्डे नजारियो के (8) गोल का रिकॉर्ड तोड़ा था।

स्पेन विश्व कप में लगातार सबसे ज्यादा मैच जीतने वाली टीम बनी

स्पेन ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 में लगातार 7 मुकाबले जीते। टीम ने इस संस्करण में एक भी मैच नहीं गंवाया और अजेय रहते हुए चैंपियन बनी। फाइनल में अर्जेंटीना को 1-0 से हराते हुए स्पेन ने 2010 के बाद फीफा विश्व कप का खिताब जीता।

एक फीफा वर्ल्ड कप में सबसे कम गोल खाने वाली टीम

स्पेन ने जहां फीफा विश्व कप 2026 में सबसे ज्यादा मैच जीतने का रिकॉर्ड बनाया। वहीं उसने इस संस्करण में सिर्फ एक गोल खाते हुए भी इतिहास रचा। स्पेन की टीम पहली ऐसी टीम बनी जिसने पूरे वर्ल्ड कप में सिर्फ एक गोल ही खाया।

फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में सबसे ज्यादा व्यक्तिगत गोल

लियोनेल मेसी ने मिरोस्लाव क्लोज के 16 गोल का रिकॉर्ड तोड़ते हुए फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने का वर्ल्ड रिकॉर्ड इस सीजन के बीच ही अपने नाम कर लिया था। मगर टूर्नामेंट के अंत तक किलियन एम्बाप्पे ने उनका यह रिकॉर्ड तोड़ दिया। अब एम्बाप्पे के नाम कुल 22 गोल हैं और मेसी के नाम 21 गोल फीफा वर्ल्ड कप में दर्ज हैं।

रोनाल्डो हर संस्करण में गोल करने वाले इकलौते खिलाड़ी

क्रिस्टियानो रोनाल्डो के नाम फीफा वर्ल्ड कप (2026) में एक खास रिकॉर्ड दर्ज हुआ। वह सभी 6 फीफा विश्व कप के हर एक अलग-अलग संस्करण में गोल करने वाले इकलौते खिलाड़ी बने। इससे पहले दुनिया का कोई खिलाड़ी ऐसा नहीं कर पाया जिसने अलग-अलग 6 संस्करण में गोल किए।

फीफा वर्ल्ड कप के ग्रुप स्टेज में दागे गए सबसे ज्यादा गोल

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में ग्रुप स्टेज में सबसे ज्यादा गोल का विश्व रिकॉर्ड बन गया। इस संस्करण में कुल 215 गोल ग्रुप स्टेज में हुए। यह एक फीफा वर्ल्ड कप के ग्रुप स्टेज में सबसे ज्यादा गोल का विश्व कीर्तिमान है।

फीफा विश्व कप के एक संस्करण में हुए सबसे ज्यादा गोल

फीफा वर्ल्ड कप 2026 मे कुल 104 मैच हुए और 308 गोल हुए। यह एक संस्करण में सबसे ज्यादा गोल का रिकॉर्ड है। इस टूर्नामेंट में 2.96 गोल प्रति मैच के रेट से गोल हुए।

एम्बाप्पे बने इकलौते लगातार दो गोल्डन बूट जीतने वाले खिलाड़ी

किलियन एम्बाप्पे ने 2022 में कतर में 8 गोल के साथ गोल्डन बूट अपने नाम किया था। अब 2026 फीफा विश्व कप में 10 गोल के साथ उन्होंने लगातार दूसरी बार गोल्डन बूट जीता। वह फीफा विश्व कप के इतिहास में लगातार दो गोल्डन बूट जीतने वाले पहले खिलाड़ी बने।

फीफा वर्ल्ड कप में आइलैंड देश कुराकाओ भी था। इस टीम ने 78 वर्षीय कोच डिक ऐडवोकाट के परीक्षण में इस टूर्नामेंट में पहली बार शिरकत की। डिक फीफा वर्ल्ड कप में उतरने वाले सबसे उम्रदराज कोच भी बने।

इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में तीसरे और निर्णायक वनडे में भारत को मिली हार से निराशा

हमने पूरी कोशिश की, लक्ष्य से थोड़ा पीछे रह गए: रोहित

एजेंसी, नई दिल्ली

इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में तीसरे और निर्णायक वनडे में मिली हार के बाद भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि टीम ने लक्ष्य का पीछा करने की पूरी कोशिश की, लेकिन 20-25 रन पीछे रह गई। उन्होंने स्वीकार किया कि हार निराशाजनक रही, लेकिन टीम को इस हार से सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से सोमवार को जारी एक वीडियो में रोहित शर्मा ने कहा कि टीम पूरे दौरे में अच्छा क्रिकेट खेल रही थी, लेकिन निर्णायक मुकाबले में लक्ष्य हासिल करने से चूक गई। उन्होंने कहा कि परिणाम से थोड़ी निराशा हुई, क्योंकि मुझे लगा कि हम काफी अच्छा क्रिकेट खेल रहे थे। बर्मिंघम में हमने शानदार शुरुआत की थी। कार्डिफ में बल्लेबाजी उम्मीद के मुताबिक नहीं रही और बोर्ड पर पर्याप्त रन नहीं थे। यहां भी बड़ा लक्ष्य था। हमने पूरी कोशिश की, लेकिन फिर 20-25 रन कम रह गए।

सन्यास की खबरों को रोहित ने किया खारिज, बोले-

बाहर शोर नहीं होगा तो मजा कैसे आएगा

मेरा काम बल्ले से प्रदर्शन करना और देश का प्रतिनिधित्व करना है। डेब्यू के बाद से मुझे यही सिखाया गया है और मैं यही करता रहूंगा। जब मैंने डेब्यू किया था, तब से बाहर शोर है और जब तक खेलूंगा, तब तक रहेगा। अगर बाहर शोर नहीं होगा तो मजा कैसे आएगा? यह बातें टीम इंडिया के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने बीसीसीआई से बातचीत में कहते हुए अपने रिटायर्डमेंट की खबरों को खारिज कर दिया। रोहित ने कहा- मेरा काम मैदान के अंदर है और दूसरों का काम बाहर। बाहर की बातें मेरे लिए कोई मायने नहीं रखतीं। रविवार को लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में 138 रन की शानदार पारी खेलने के बाद रोहित ने यह बातचीत की। उन्होंने कहा- मेरा पूरा ध्यान सिर्फ टीम के लिए योगदान देने पर है।

विराट के साथ खेला 400वां अंतर्राष्ट्रीय मुकाबला

लॉर्ड्स वनडे रोहित शर्मा और विराट कोहली का एक साथ खेला गया 400वां अंतरराष्ट्रीय मैच था। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 86 गेंदों में 113 रन की साझेदारी की। इसमें रोहित ने 48 गेंदों में 71 रन और विराट ने 38 गेंदों में 38 रन बनाए। कोहली के साथ बल्लेबाजी पर रोहित ने कहा, 'हमने अपना पूरा करियर साथ खेला है। उनके साथ क्रीज पर होना हमेशा खास रहता है। हम एक-दूसरे के खेल को अच्छी तरह समझते हैं और बल्लेबाजी के दौरान लगातार बात करते रहते हैं कि मैच को कैसे आगे बढ़ाना है।' रोहित शर्मा भारत के लिए वनडे खेलने वाले सबसे उम्रदराज पुरुष क्रिकेटर बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में पूर्व कप्तान मोहिंदर अमरनाथ का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया।

युवा गेंदबाजों का समर्थन

लॉर्ड्स वनडे में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में भारतीय गेंदबाजी आक्रमण दबाव में नजर आया। अंतिम तीन ओवरों में 62 रन खर्च करने से इंग्लैंड ने 387 रनों का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया। हालांकि, रोहित ने युवा गेंदबाजों का समर्थन करते हुए उनका बचाव किया। रोहित ने कहा कि इन खिलाड़ियों ने अभी ज्यादा वनडे क्रिकेट नहीं खेला है। उन्हें थोड़ा समय देना होगा। उम्मीद है कि हम इस मैच से सीखेंगे और भविष्य में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। पूर्व कप्तान ने इंग्लैंड में खेलने को लेकर कहा कि मुझे इंग्लैंड में खेलना पसंद है। यहां का माहौल, मैदान और पिचें हर बार नई चुनौती देती हैं।

सीरीज में बनाई अजेय बढ़त

न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को एक विकेट से हराया

एजेंसी, ब्रिजटॉउन

मिचेल सैंटनर (दो विकेट/नाबाद 34) और मार्क चैपमैन (80) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड ने चौथे एकदिवसीय मुकाबले में 35 गेंदें शेष रहते एक विकेट से शिकस्त दी। इसी के साथ न्यूजीलैंड ने पांच मैचों की सीरीज में 3-1 अजेय बढ़त बना ली। कप्तान मिशेल सैंटनर ने शानदार ऑल-राउंड प्रदर्शन किया; उन्होंने 36 रन देकर दो विकेट लिए और वेस्टइंडीज को 188 रन पर रोक दिया, फिर नाबाद 34 रन बनाकर 45वें ओवर में टीम को जीत दिलाई। मैथ्यू फिशर ने भी गेंदबाज़ी में अच्छा प्रदर्शन किया और 40 रन देकर 3 विकेट लिए, जबकि मार्क चैपमैन (80) और माइकल ब्रेसवेल (35 रन देकर 2 विकेट और 32 रन) ने भी जीत में योगदान दिया। वेस्टइंडीज़ के लिए गुडाकेश मोटी का पहला पांच-विकेट हॉल (47 रन देकर 5 विकेट) और मैच की शुरुआत में बनाए गए 41 रन बेकार गए। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और उनका स्कोर 81 रन पर 6 विकेट हो गया।

मेसी की हार के बावजूद स्कालोनी को टीम पर गर्व

न्यूयॉर्क। अर्जेंटीना के मैनेजर लियोनेल स्कालोनी ने स्वीकार किया कि स्पेन विश्व कप जीतने का हकदार था, लेकिन हार के बावजूद उन्हें अपनी टीम पर गर्व है।

गत चैंपियन ने अपने पिछले चार नॉकआउट मैचों में से प्रत्येक को जीतने के लिए देर से गोल किए थे, लेकिन न्यूयॉर्क न्यू जर्सी स्टेडियम में एक और नाटकीय खेल से बचने में असमर्थ रहे। मैच के बाद स्कालोनी ने कहा, मुझे दुख हो रहा है। कोई इस बारे में बहुत कुछ कह सकता है कि हम यहां तक कैसे पहुंचे, लेकिन यह इसके लायक नहीं है। मैं बस इन खिलाड़ियों को अपना अनंत धन्यवाद देना चाहता हूं जो एक बार फिर हमें फाइनल में ले गए। वे (स्पेन) बेहतर थे, यह सच है, लेकिन मेरे खिलाड़ियों ने जो हासिल किया उसकी जबरदस्त यादें मेरे पास रहेंगी। हम जीत में महान हैं और हार में भी ऐसा ही होना चाहिए। आज रात, हम दिखाते हैं कि हम हारना जानते हैं। हम हार गए और हमने इसे स्वीकार कर लिया।" अगर वे सब कुछ वैसे ही देते हैं जैसे उन्होंने आज किया, तो यह लोगों और हमारे देश के लिए एक महान उदाहरण स्थापित करता है। आपको खुद को फिर से चुनना होगा। जब आप सब कुछ वैसे ही छोड़ देते हैं, तो किसी भी चीज़ में दोष ढूंढना बहुत मुश्किल होता है।

स्पेन को फुटबॉल वर्ल्डकप जिताने वाले 7 हीरो

1 फेरन टोरेस
: फाइनल में गोल दागा
- 62वें मिनट में विनिंग गोल किया
- फाइनल के सबस्टीट्यूट बने हीरो

2 लामिन यमाल
: 30 सफल ड्रिबल किए
- सेमीफाइनल में पेनल्टी दिलाई
- टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 30 ड्रिबल

3 रोड्री
: मिडफील्ड से गेम चलाया
- 803 पास दिए, 94% एक्यूरेसी
- गोल्डन बॉल अवॉर्ड विजेता

4 मिकेल ओयारजाबाल
: टीम के टॉप स्कोरर
- 5 गोल और 1 असिस्ट
- नॉकआउट में 2 गोल करने वाले पहले स्पेनिश खिलाड़ी

5 पॉ क्यूबासी
: बेस्ट यंग प्लेयर चुने गए
- 857 मिनट खेले
- 97% एक्यूरेसी के साथ 690 पास
- फाइनल में रेड कार्ड दिलाया

6 उनाई सिमोन
: सिर्फ एक गोल खाए
- 14 गोल रोके
- गोल्डन ग्लव अवॉर्ड विजेता
- 857 मिनट खेले

7 नीका विलियम्स
: असिस्ट कर जिताया फाइनल
- हेडर से गेंद टोरेस तक पहुंचाई
- यूरो 2024 में भी बने थे हीरो

आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ बने स्मिथ और डैनी

रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन का मिला इनाम

एजेंसी, लंदन

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने जून 2026 के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड्स की घोषणा कर दी है। पुरुष वर्ग में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ और महिला वर्ग में इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज डैनी व्याट-हॉज को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया है। 27 वर्षीय नाथन स्मिथ ने इंग्लैंड के खिलाफ 2-1 से टेस्ट सीरीज जीत में न्यूजीलैंड की सफलता में अहम भूमिका निभाई। टीम के कई प्रमुख तेज गेंदबाजों के चोटिल होने के बावजूद स्मिथ ने नई गेंद से जिम्मेदारी संभाली और पूरी सीरीज में 23 की औसत से 16 विकेट अपने नाम किए।

लॉर्ड्स में स्मिथ ने नौ विकेट झटके

स्मिथ पुरस्कार की दौड़ में भारत के कप्तान शुभमन गिल और बांग्लादेश के ऑलराउंडर मोसादेक हुसैन को पीछे छोड़ा। स्मिथ का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पहले टेस्ट में लॉर्ड्स पर देखने को मिला, जहां उन्होंने दूसरी पारी में 6/70 विकेट लेकर मैच में कुल नौ विकेट झटके। दूसरे टेस्ट में उन्होंने एक विकेट लेने के अलावा 38 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। वहीं निर्णायक तीसरे टेस्ट की पहली पारी में 4/91 और दूसरी पारी में दो विकेट लेकर न्यूजीलैंड को ऐतिहासिक सीरीज जीत दिलाने में अहम योगदान दिया।

टैलेंट सर्च में एथलेटिक्स का दमदार आगाज़, पहले दिन 400 से अधिक खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा

खेल संवाददाता, भोपाल

मध्यप्रदेश के उभरते खिलाड़ियों की तलाश के लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित टैलेंट सर्च 2026-27 के तहत एथलेटिक्स चयन ट्रायल्स का पहला दिन रविवार को टी.टी. नगर स्टेडियम में उत्साह और प्रतिस्पर्धा के माहौल में संपन्न हुआ। पहले दिन प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए 400 से अधिक बालक एवं बालिका खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। चयन ट्रायल्स के दौरान खिलाड़ियों ने दौड़, लॉन्ग जंप, हाई जंप, पोल वॉल्ट और शॉटपुट सहित कई एथलेटिक्स स्पर्धाओं में हिस्सा लिया। सभी प्रतिभागियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन विशेषज्ञ चयनकर्ताओं ने निर्धारित तकनीकी मानकों के आधार पर किया। चयनित

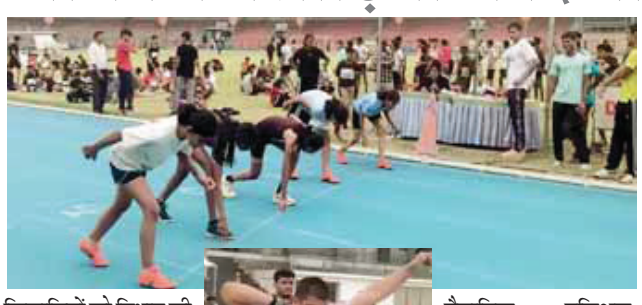

खिलाड़ियों को विभाग की खेल अकादमियों में प्रशिक्षण और आधुनिक खेल सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अनुसार टैलेंट सर्च 2026-27 का उद्देश्य प्रदेश की प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें वैज्ञानिक प्रशिक्षण, आधुनिक संसाधन और अनुभवी प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन के माध्यम से राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी बनाना है। विभाग इसे केवल चयन प्रक्रिया नहीं, बल्कि खेल प्रतिभाओं के भविष्य निर्माण का महत्वपूर्ण अभियान मानता है। विभाग ने बताया कि टैलेंट सर्च अभियान के अंतर्गत अब तक जूडो, कुश्ती, बॉक्सिंग, फेंसिंग, शूटिंग, बैडमिंटन, टेनिस, कयाकिंग-कैनोइंग, स्लालॉम और घुड़सवारी जैसी विभिन्न खेल विधाओं के चयन ट्रायल्स सफलतापूर्वक आयोजित किए जा चुके हैं। सभी खेलों में खिलाड़ियों की बढ़ती भागीदारी प्रदेश में खेलों के प्रति बढ़ते उत्साह को दर्शाती है। एथलेटिक्स ट्रायल्स के पहले दिन भी बड़ी संख्या में खिलाड़ियों की मौजूदगी ने इस अभियान को नई ऊर्जा दी। विभाग ने बताया कि एथलेटिक्स चयन ट्रायल्स 21 और 22 जुलाई को भी टी.टी. नगर स्टेडियम में जारी रहेंगे। पात्र खिलाड़ियों से समय पर पहुंचकर चयन प्रक्रिया में भाग लेने और अपनी प्रतिभा को राज्य स्तर पर प्रदर्शित करने की अपील की गई है।

चाइना ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट

पीवी सिंधु अपनी नई लय को और बेहतर बनाने की करेंगी कोशिश

एजेंसी, बीजिंग

जापान ओपन में जीत हासिल करने के बाद पीवी सिंधु मंगलवार से शुरू होने वाले चाइना ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगी। इसी के साथ वह अपनी शानदार लय को बरकरार रखने की कोशिश करेंगी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु पिछले हफ्ते जापान में तीन बार की वर्ल्ड चैंपियन अकाने यामागुची को हराकर लगभग दो साल बाद खिताब जीतने में सफल रहीं। अब वह इसी आत्मविश्वास के साथ चाइना ओपन में चुनौती पेश करेंगी। 2016 की चाइना ओपन

चैंपियन पीवी सिंधु ने बिना कोई गेम गंवाए जापान ओपन का खिताब हासिल किया था और अब वह चीन में भी अपने शानदार फॉर्म के साथ प्रदर्शन करने को तैयार हैं।

वूमेंस सिंगल्स ड्रॉ में अन्य भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी देविका सिहाग और उन्नति हुड्डा शामिल हैं। मेंस सिंगल्स ड्रॉ में पेरिस 2024 के सेमीफाइनलिस्ट लक्ष्य सेन, दुनिया के नंबर 24 खिलाड़ी आयुष शेट्टी और बैडमिंटन रैंकिंग में 36वें स्थान पर मौजूद एचएस प्रणय शामिल तीन भारतीय खिलाड़ी हैं। पुरुष युगल में एशियन गेम्स चैंपियन सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी पर सभी की नजरें रहेंगी। वे पिछले हफ्ते जापान ओपन में अपनी वापसी के दौरान आई मुश्किलों और चोट की समस्याओं को पीछे छोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश करेंगे। जून में इंडोनेशिया ओपन के शुरुआती दौर में सात्विक के कंधे की चोट के गंभीर होने के बाद से यह उनकी पहली वापसी थी।

दलीप ट्रॉफी: वेस्ट जोन की टीम घोषित, गायकवाड़ बने कप्तान

नई दिल्ली। दलीप ट्रॉफी-2026 सीजन के लिए वेस्ट जोन टीम की घोषणा कर दी गई है। बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ को टीम का कप्तान, जबकि बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर शम्स मुलानी को उप-कप्तान बनाया गया है। बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के मैदानों पर 23 अगस्त से 10 सितंबर तक होने वाले इस प्रतिष्ठित घरेलू टूर्नामेंट में वेस्ट जोन की टीम संतुलित संयोजन के साथ उतरेगी। पिछले सीजन में वेस्ट जोन की कप्तानी तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने संभाली थी। टीम सेमीफाइनल तक पहुंची थी। इस बार चयनकर्ताओं ने नेतृत्व की जिम्मेदारी ऋतुराज गायकवाड़ को सौंपी है। गायकवाड़ घरेलू क्रिकेट में लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन करते रहे हैं। उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की कप्तानी भी की है।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप हांगझाऊ

मनु भाकर, रुद्रांक्ष पाटिल करेंगे भारत की अगुआई

एजेंसी, हांगझाऊ

दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट मनु भाकर और पूर्व वर्ल्ड चैंपियन रुद्रांक्ष पाटिल 20 से 28 जुलाई तक पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना में होने वाले आईएसएसएफ वर्ल्ड कप 2026 हांगझाऊ के लिए भारत की सितारों से सुसज्जित 50 मेंबर वाली टीम में शामिल हैं। हांगझाऊ शूटिंग मीट एक कंबाइंड आईएसएसएफ वर्ल्ड कप है, जिसमें राइफल, पिस्टल और शॉटगन शूटर शामिल हैं। भारत ने अप्रैल में स्पेन के ग्रेनाडा में पिस्टल और राइफल शूटरों के पहले वर्ल्ड कप में सिर्फ एक मेडल जीता था - मुकेश नेलावल्ली और पलक गुलिया ने 10मी एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम

इवेंट में गोल्ड मेडल जीता था। हालांकि, भारत ने म्यूनिख में चार मेडल जीते, जिसमें सुरुचि सिंह (10मी एयर पिस्टल) और ईशा सिंह (25मी पिस्टल) ने गोल्ड मेडल जीता। ईशा ने 10मी एयर पिस्टल में सिल्वर मेडल जीता, जबकि मनु भाकर और सम्राट राणा ने मिक्स्ड 10मी एयर पिस्टल में सिल्वर मेडल जीता।

हैम्पशायर ने वन-डे कप के लिए आशुतोष को अपने साथ जोड़ा

नई दिल्ली। इंग्लिश काउंटी क्लब हैम्पशायर ने भारतीय ऑलराउंडर आशुतोष शर्मा के साथ घरेलू वन-डे कप 2026 टूर्नामेंट के लिए करार का ऐलान किया है। टूर्नामेंट 21 जुलाई से शुरु हो रहा है। क्लब ने सोमवार को बताया कि हैम्पशायर क्रिकेट ने पुरुष मेट्रो बैंक वन-डे कप के लिए भारतीय ऑलराउंडर आशुतोष शर्मा को साइन किया है। हैम्पशायर के क्रिकेट निदेशक गाइल्स व्हाइट ने कहा कि हमें

इस बात की बहुत खुशी है कि हमने आशुतोष को वन-डे कप के लिए साइन किया है। वह बहुत काबिल खिलाड़ी हैं और हाल ही में आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के लिए अच्छा प्रदर्शन कर चुके हैं। उन्हें पता है कि ऊंचे स्तर पर कैसा प्रदर्शन किया जाता है। हम उन्हें अपनी टीम में शामिल करने और हैम्पशायर की जर्सी में उनका खेल देखने के लिए उत्साहित हैं।

20 दिन बाद गोविंदपुरा को मिला नया एसडीएम

- आशुतोष शर्मा संभालेंगे गोविंदपुरा की कमान
- बैरसिया की जिम्मेदारी शिवांगी बघेल को

भोपाल (नगर संवाददाता)

करीब 20 दिनों से नियमित एसडीएम के बिना चल रहे गोविंदपुरा अनुविभाग को आखिरकार नया अधिकारी मिल गया है। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश के तहत बैरसिया एसडीएम आशुतोष शर्मा को गोविंदपुरा का नया अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) नियुक्त किया गया है। वहीं, डिप्टी कलेक्टर शिवांगी बघेल को बैरसिया एसडीएम की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

गोविंदपुरा एसडीएम का पद रिक्त होने के बाद इसका अतिरिक्त प्रभार एमपी नगर एसडीएम संभाल रहे थे। इससे गोविंदपुरा क्षेत्र के लोगों को राजस्व और प्रशासनिक कार्यों के लिए एमपी नगर तहसील जाना पड़ रहा था। नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन और अन्य राजस्व मामलों के आवेदकों को अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही थी, जिससे कार्यों के निपटारे में भी देरी हो रही थी।

कलेक्टर पियंक मिश्रा के आदेश के बाद अब गोविंदपुरा में नियमित एसडीएम की तैनाती होने से स्थानीय स्तर पर प्रशासनिक कामकाज में तेजी आने की उम्मीद है। वहीं बैरसिया में भी नए एसडीएम के रूप में शिवांगी बघेल जिम्मेदारी संभालेंगी।

शिकायतः पास्ता खाते ही बच्चे के होंठ और गाल में आई सूजन

- पिज्जा हट और आनंदम रेस्टोरेंट पर छापा
- बच्चे की तबीयत बिगड़ने, लस्सी में कीड़ा मिलने की शिकायत पर की गई जांच

भोपाल (नगर संवाददाता)

शहर में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर मिली दो शिकायतों पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पिज्जा हट और आनंदम रेस्टोरेंट में जांच की। दोनों प्रतिष्ठानों से खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजे गए हैं। रिपोर्ट में गड़बड़ी मिलने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी।

पहला मामला होशंगाबाद रोड स्थित पिज्जा हट का है, जहां सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई गई थी कि ऑनलाइन मंगाए गए पास्ता का सेवन करने के बाद एक बच्चे के होंठ और गाल पर सूजन आ गई। शिकायत के बाद खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर पास्ता, व्हाइट बेस, चीज़ और चीज़ स्प्रेड के नमूने लिए तथा संचालक को नोटिस जारी किया।दूसरा मामला लालघाटी स्थित आनंदम रेस्टोरेंट का है, जहां लस्सी में कीड़ा मिलने की शिकायत के बाद निरीक्षण किया गया। टीम ने लस्सी के अलावा दही, पनीर, सोया चाप और बेसन के भी नमूने एकत्र किए। प्रतिष्ठान संचालक को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है।

रिपोर्ट के बाद होगी कार्रवाई

खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सभी नमूनों की जांच राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला में कराई जाएगी। यदि जांच में खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन सामने आता है तो संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ जुर्माना, लाइसेंस निलंबन या अन्य वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

कलियासोत जलाशय में ऑफ-रोड रैली पर विवाद

भोपाल। कलियासोत जलाशय और आसपास के संवेदनशील वेटलैंड क्षेत्र में कथित रूप से हो रही ऑफ-रोड कार रैली, मड ड्राइविंग और वाटर बॉडी स्टंट को लेकर विवाद बढ़ गया है। पर्यावरण एवं सामाजिक कार्यकर्ता राशिद ने पुलिस आयुक्त को शिकायत भेजकर इन गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि सोशल मीडिया के जरिए प्रत्येक शनिवार और रविवार को बड़ी संख्या में लोग और वाहन कलियासोत जलाशय क्षेत्र में पहुंचते हैं। यहां जलाशय के फुल टैंक स्तर, जलग्रहण क्षेत्र और वेटलैंड इलाके में तेज रफ्तार वाहन चलाने, कीचड़ में ड्राइविंग और खतरनाक स्टंट किए जाते हैं।

इन इलाकों में रही बिजली कटौती

भोपाल। राजधानी के करीब 30 इलाकों में मंगलवार को 2 से 6 घंटे तक बिजली कटौती हुई। इन इलाकों में बिजली कंपनी मेंटेनेंस किया। इसके चलते सप्लाई पर असर पड़ा। सुबह 8 से दोपहर 2 बजे तक कमला नगर, जैन कॉलोनी, गैस राहत कॉलोनी, सिल्वर स्टेट एवं आसपास। सुबह 10 से दोपहर 12.30 बजे तक दानिश हिल्स व्यू टाउनशिप, सीआई पार्क व्यू, सांईनाथ कॉलोनी, एजी क्लॉसिक, नेताजी हिल्स में कटौती रही।

विदेश यात्रा पड़ी भारी : सायबर ठगों ने दो लोगों को बनाया शिकार

उद्योगपति के खाते से 3.94 लाख किसान के खाते से 98 हजार निकाले

कार्ड क्लोन कर इंग्लैंड के होटल में कर दिया लाखों रुपए का भुगतान

भोपाल (नगर संवाददाता)

राजधानी में साइबर ठगों ने ठगी का नया तरीका अपनाते हुए एक उद्योगपति के क्रेडिट कार्ड का क्लोन बनाकर इंग्लैंड के होटल में लाखों रुपये का भुगतान कर दिया। वहीं, दूसरी घटना में एक किसान के बैंक खाते से भी हजारों रुपये निकाल लिए गए। दोनों मामलों में पीड़ितों को करीब 4 लाख 92 हजार रुपये का नुकसान हुआ है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस और साइबर क्राइम टीम ने जांच शुरू कर दी है।

पिपलानी थाना पुलिस के अनुसार ओमेगा रैंक बियरिंग कंपनी के महाप्रबंधक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी हरी प्रकाश के क्रेडिट कार्ड से 3 लाख 94 हजार 679 रुपये इंग्लैंड स्थित एक होटल के खाते में ट्रांसफर किए गए। कंपनी के लेखा विभाग द्वारा ऑडिट के दौरान इस संदिग्ध भुगतान का पता चला।

हरी प्रकाश ने बताया कि जिस दिन यह लेनदेन हुआ, उस समय वे भोपाल में मौजूद थे और उन्होंने किसी भी प्रकार का अंतरराष्ट्रीय भुगतान नहीं किया था। पहले उन्होंने बैंक से संपर्क किया, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस जांच में सामने आया कि यह रकम क्रेडिट कार्ड के जरिए होटल तक पहुंची थी। आशंका है कि पिछले वर्ष व्यावसायिक यात्रा के दौरान इंग्लैंड के जिस होटल में उद्योगपति ठहरे थे, उसी दौरान उनके कार्ड की जानकारी चोरी कर उसका क्लोन तैयार किया गया। बाद में कुछ महीनों के अंतराल के बाद जालसाजों ने इसका इस्तेमाल कर दिया। पुलिस ने मामले में बैंक से जानकारी मांगी है। प्रारंभिक जांच में बैंक की ओर से तकनीकी गलती की संभावना भी सामने आई है। अब पुलिस मुख्यालय के माध्यम से इंग्लैंड स्थित होटल प्रबंधन से भी संपर्क करने की तैयारी की जा रही है।

किसान के खाते से दो बार में निकले रुपए

दूसरा मामला खजूरी सड़क थाना क्षेत्र का है। ग्राम फंदा निवासी किसान सुरेश मेवाड़ा (33) के खाते से साइबर ठगों ने दो किस्तों में 98 हजार रुपये निकाल लिए। पीड़ित के अनुसार 1 जुलाई को उनका मोबाइल अचानक हैंग हो गया था और उसमें केवल डिजिटल घड़ी दिखाई दे रही थी। शक होने पर वे बैंक पहुंचे, जहां खाते से रकम निकलने की जानकारी मिली। सुरेश ने बताया कि न तो उनसे कोई ओटीपी मांगा गया और न ही किसी लिंक पर क्लिक कराया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जिन खातों में रकम ट्रांसफर हुई है, उन्हें फ्रीज कराने की कार्रवाई की जा रही है। साइबर विशेषज्ञों के अनुसार कार्ड क्लोनिंग और बिना ओटीपी के होने वाली ठगी के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। लोगों को विदेश यात्रा के दौरान कार्ड इस्तेमाल करते समय सावधानी बरतने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल बैंक को सूचना देने की सलाह दी गई है।

कार की टक्कर से युवक की हालत गंभीर

भोपाल। अवधपुरी थाना क्षेत्र में कार की टक्कर से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद उसकी हालत इतनी नाजुक हो गई कि उसे जीवन रक्षक प्रणाली (वेंटिलेटर) पर रखना पड़ा। पुलिस ने घायल युवक के छोटे भाई की शिकायत पर कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार दुर्घटना 18 जुलाई की शाम करीब छह बजे क्रिस्टल कैंपस के पास हुई थी। हादसे में अभिषेक मिश्रा निवासी न्यू शिव नगर बस्ती, आनंद नगर घायल हुए हैं। उन्हें तत्काल उपचार के लिए पिपलानी स्थित बालाजी अस्पताल ले जाया गया था, लेकिन हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें कोलार रोड स्थित विनायक अस्पताल रेफर कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार अभिषेक के सिर में अंदरूनी चोट आई है और रक्त का थक्का जम गया है। गिरने के कारण उनकी आंख के पास भी गंभीर चोट लगी है। घटना के बाद से वह बेहोश हैं। अभिषेक के भाई राजेश मिश्रा ने पुलिस को बताया कि दुर्घटना की सूचना उन्हें लोकेश धुर्वे से मिली थी। पुलिस ने टक्कर मारने वाली कार क्रमांक एमपी-07-एके-8405 की पहचान कर ली है और चालक के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है।

स्वास्थ्य विभाग के प्रथम श्रेणी अधिकारी हनी ट्रैप का शिकार

- मदद मांगने के बहाने पहले नजदीकियां बढ़ाई
- विभाग के कर्मचारी की बेटी तस्वीरें वायरल करने की देती है धमकी
- ऐंठ चुकी है पांच साल में 32 लाख रुपए

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश के स्वास्थ्य विभाग के प्रथम श्रेणी के एक अधिकारी हनी ट्रैप हो गए। आरोपी महिला उनके ही विभाग के कर्मचारी की बेटी है। जिनको वे तेरह साल से जानते हैं। पहले आरोपी महिला ने नजदीकियां बढ़ाई। इसके बाद कई तरह के झांसे देकर 32 लाख रुपए ऐंठ लिए। अब वह 25 लाख रुपए नहीं देने पर सामाजिक बदनामी का भय दिखा रही थी। जिस कारण यह मामला पुलिस थाने में पहुंचा।

पुलिस के अनुसार पीड़ित ई-6 अरेरा कॉलोनी में रहते हैं। उनकी उम्र 45 साल हैं। थाने में रविवार को उन्होंने आवेदन दिया था। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनके विभाग के एक कर्मचारी थे। जिस कारण उसने पहले उनकी पत्नी से दोस्ती की। फिर वह घर आने-जाने लगी। उसके पिता को कैंसर था। जिनके इलाज के लिए उसने कई बार मदद मांगी थी। पीड़ित ने 2013 से लेकर 2016 के बीच आर्थिक मदद की थी। पिता के निधन के बाद कोरोना काल तक वह संपर्क में रही। मां के इलाज, किराना, बेटी की शिक्षा से लेकर वाहन के ईएमआई भरने में भी उन्होंने सहायता की थी। पिता के निधन होने के बाद कुछ साल तक संपर्क नहीं किया। फिर वह बेटी के जरिए 2022 में परिवार के संपर्क में आई। इस दौरान उसने आर्थिक मदद वापसी के शर्त के साथ 12 लाख रुपए लिए। उसने पांच लाख रुपए का चेक भी दिया था। लेकिन, उसने कभी भी चेक जमा करने के लिए नहीं बोला। इसके बाद उसके व्यवहार में बदलाव आ गया। वह बलात्कार के झूठे मुकदमे में फंसाकर पैसा मांगने लगी। उसने अगस्त, 2025 में बहाना बनाकर घर बुलाया। उसके बाद विवाद करते हुए 25 लाख रुपए की मांग की जाने लगी। उसका कहना था कि यदि रकम नहीं दी तो वह उनके साथ आपत्तिजनक तस्वीरें वायरल कर देगी। भय और परिवार की प्रतिष्ठा में आकर दो किस्त में 20 लाख रुपए का भुगतान कर दिया। इसके बावजूद उसका 25 लाख रुपए मांगने का सिलसिला बना रहा।

[परेशानी] डीटीई के दूसरे चरण की कांउसिलिंग जारी, आज हुआ सीटों का आवंटन

इंजीनियरिंग कॉलेजों में पहले चरण में 45 हजार सीटें खाली, कंप्यूटर साइंस पहली पसंद

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्य प्रदेश के इंजीनियरिंग कॉलेजों में कुल 69 हजार सीटों में से पहले चरण की कांउसिलिंग के बाद लगभग 45 हजार सीटें खाली रह गई हैं। पहले चरण में लगभग 25 हजार सीटें ही भर पाई। अब दूसरे चरण के लिए मंगलवार को सीट आवंटित की गयी। तकनीकि शिक्षा संचानलाय डीटीई के अनुसार निजी और सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों में कंप्यूटर साइंस छात्रों की पहली पसंद बना हुआ है। इस कारण उक्त विषय की सीटें बहुत जल्दी भर रही है।

बता दें कि प्रदेश के कुल 757 इंजीनियरिंग कॉलेजों में काउंसलिंग चल रही है। पहले चरण में प्रदेश में बीटेक की कुल 69,569 सीटों की तुलना में 25,052 सीटों का आवंटन हो पाया है। इनमें से 15,903 छात्रों ने प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण कर लिया है। पहले चरण में 9,183 ने सीधे प्रवेश लिया, जबकि 6,717 विद्यार्थियों ने अपग्रेडेशन के माध्यम से अपनी सीट पक्की कर ली है। पहले चरण के सीट आंवटन में कुल 15 हजार में से लगभग 7,711 विद्यार्थियों ने इस ब्रांच का चयन किया है। दूसरे स्थान पर मेकेनिकल समेत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग जैसी नई विषयों में कुछ छात्रों ने रूचि दिखाई है।

दूसरे चरण के लिए 11,699 का पंजीयन

दूसरे चरण में डीटीई अब 12 वीं के भौतिकी, गणित और रसायन विषयों के कुल अंकों के आधार पर भी प्रवेश देगा। इसके लिए अब तक 11,699 अभ्यर्थियों ने पंजीयन कराया है। इसमें सोमवार की देर शाम तक पोर्टल पर अभ्यर्थियों ने अपनी पसंद के कॉलेज और ब्रांच की च्वाइस फिलिंग एवं लॉकिंग कर दी है। इनके वास्तविक आंकड़े मंगलवार को सीट आवंटन के बाद पता चलेगा। चयनित विद्यार्थियों को तय समय सीमा में संबंधित कॉलेज में रिपोर्ट कर प्रवेश प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

पहले चरण में सबसे अधिक सीट आवंटन वाली पांच ब्रांच

ब्रांच	कुल सीटें	आवंटन	प्रवेश
कंप्यूटर साइंस	20,525	7,711	587
सीएई	6,915	3,435	411
इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन	5,689	1,718	90
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	7,831	1,456	82
इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी	3,057	1,352	14

इंजीनियरिंग काउंसलिंग

कुल इंजीनियरिंग कॉलेज	757
बीटेक की कुल सीटें	69,569
पहले चरण में सीट आवंटन	25,052
कुल लिया प्रवेश	15,903
सीधे प्रवेश	9,183
अपग्रेडेशन	6,717

दूसरे चरण की ये हैं स्थिति

कुल पंजीयन	11,699
च्वाइस फिलिंग/लॉकिंग तारीख	20 जुलाई
दूसरे चरण का सीट आवंटन	21 जुलाई

एक्सपर्ट व्यू: आईटी कंपनी की पहली पंसद बीटेक छात्र... निजी इंजीनियरिंग संस्थान टीआईटी के प्रोफेसर और कांउसलर अजय श्रीवास्तव के अनुसार हर 10 में से 6 छात्रों की कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग सबसे पसंदीदा ब्रांच है। चूंकि इसमें अब कैरियर बहुत अच्छा बन रहा है। आईटी कंपनियां भी छात्रों को चयन कैंपस में ही कर लेती है। तकनीकी शिक्षा में कंप्यूटर साइंस का दबदबा बना हुआ है। हालांकि दूसरे चरण की काउंसलिंग में बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के शामिल होने के बाद भी कॉलेजों की खाली सीटें रहेंगी। कंप्यूटर साइंस के लिए भारी डिमांड है, वही कोर ब्रांच मैकेनिकल और सिविल में 80 फीसदी सीटें खाली पड़ी है। चूंकि तकनीकी शिक्षा संचालनालय डीटीई की काउंसलिंग प्रक्रिया जारी है। पहले चरण का सीट आवंटन पूरा हो चुका है। दूसरे चरण का सीट आवंटन के बाद सही स्थिति का पता चल सकेगा।

सौजन्य भेंट

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मध्यप्रदेश विधानसभा स्थित कक्ष में सी.जी. पॉवर के मैनेजिंग डायरेक्टर अमर कौल ने सोमवार को सौजन्य भेंट की। सी.जी. पॉवर कंपनी, ट्रांसफॉर्मर्स और उसके कम्पोनेंट्स का उत्पादन करती है। कंपनी द्वारा मध्यप्रदेश के ग्वालियर में अपनी औद्योगिक इकाई की स्थापना की जा चुकी हैं। कंपनी की ऐसी ही एक उत्पादन इकाई सीहोर में स्थापित हो रही है। सी.जी. पॉवर के एमडी कौल ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को अपनी सीहोर स्थित निर्माण इकाई के 3 सितंबर 2026 को होने वाले लोकार्पण समारोह का मुख्य आतिथ्य स्वीकार करने का अनुरोध किया।

छह माह में घट गए 8.24 लाख बेरोजगार : टेटवाल

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने की दिशा में सकारात्मक तस्वीर सामने आई है। कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के अनुसार पिछले छह माह में रोजगार पोर्टल पर पंजीकृत आकांक्षी युवाओं (बेरोजगारों) की संख्या में 8 लाख 24 हजार 548 की कमी दर्ज की गई है। 31 दिसंबर 2025 को जहां यह संख्या 25 लाख 95 हजार 680 थी, वहीं 30 जून 2026 तक घटकर 17 लाख 71 हजार 132 रह गई है। यह जानकारी कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री गौतम टेटवाल ने विधानसभा में कांग्रेस विधायक डॉ हीरालाल अलावा द्वारा पूछे गए एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी। रीवा में रोजगार पोर्टल पर सबसे अधिक आकांक्षी युवा दर्ज हैं।

संस्कृत श्लोकों से गूंजे प्रदेश के 3,205 शासकीय विद्यालय

भोपाल। प्रदेश के शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, सांस्कृतिक मूल्यों के संवर्धन और गुरु-शिष्य परंपरा को मजबूत बनाने के उद्देश्य से लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा का आयोजन किया गया जा रहा है। इसके तहत विद्यालयों में संस्कृत श्लोक वाचन, गुरु वंदना एवं भजन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। विद्यार्थियों ने संस्कृत श्लोकों का वाचन, गुरु वंदना एवं भजनों की प्रस्तुतियां दीं। प्रदेश के 3 हजार 205 शासकीय विद्यालयों के 2 लाख 10 हजार 999 विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में सहभागिता की और भारतीय संस्कृति, गुरु-शिष्य परंपरा का महत्व जाना। सभी विद्यार्थियों ने गुरु के प्रति अपनी श्रद्धा और सम्मान का भाव व्यक्त किया।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में वरिष्ठ सचिव समिति का पुनर्गठन

भोपाल। राज्य शासन द्वारा वरिष्ठ सचिव समिति का पुनर्गठन किया गया है। समिति के अध्यक्ष मुख्य सचिव होंगे। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश अनुसार समिति में अपर मुख्य सचिव नर्मदा घाटी विकास/जल संसाधन डॉ. राजेश राजौरा, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा अशोक बर्णवाल के अलावा भार-साधक सचिव सामान्य प्रशासन, वित्त और विधि एवं चिकित्सा शिक्षा श्री अशोक बर्णवाल के अलावा भार-साधक

सीएस की अध्यक्षता में वरिष्ठ सचिव समिति का पुनर्गठन

भोपाल (नगर संवाददाता)

राज्य शासन द्वारा वरिष्ठ सचिव समिति का पुनर्गठन किया गया है। समिति के अध्यक्ष मुख्य सचिव होंगे। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश अनुसार समिति में अपर मुख्य सचिव नर्मदा घाटी विकास/जल संसाधन डॉ. राजेश राजौरा, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा अशोक बर्णवाल के अलावा भार-साधक सचिव सामान्य प्रशासन, वित्त और विधि एवं

जीएडी ने जारी किए आदेश

मानसून सत्र किसानों के मुद्दे पर सदन में सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के बीच तीखी नोंकझोंक, चर्चा में विपक्ष का आरोप, प्रदेश के किसानों को नहीं मिल रहा खाद-बीज

किसानों की समस्याओं को सुलझाने सर्वदलीय कमेटी गठित करेगी सरकार

भोपाल (नगर संवाददाता)

राज्य विधानसभा में सोमवार को किसानों के मुद्दे पर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोंकझोंक हुई। भोजनावकाश के बाद विपक्ष की मांग पर नियम 139 के तहत सरकार ने सदन में चर्चा कराई। 3 घंटे चली चर्चा में दोनों ही दलों के 21 विधायकों ने भाग लिया। इस दौरान कृषि मंत्री न कृषकों की समस्याओं को सुलझाने सर्वदलीय कमेटी बनाने संबंधी मांग प्रस्ताव का समर्थन किया।

विपक्ष के आरोपों का जवाब देते कृषि मंत्री एंदल सिंह कंसाना ने कहा कि प्रदेश में खाद बीज की कोई दिक्कत नहीं है। प्रदेश में 8.62 टन खाद का विक्रय हुआ है एवं 5.34 लाख टन बचा है। विपक्ष जो आरोप लगा रहा है,वे निराधार हैं। इस व्यवस्था में पारदर्शिता लाने टोकन सिस्टम से खाद दी जा रही है। नामांकन, बटांकन, सीमांकन ना होने के बाद भी किसानों को खाद महैया हो रहा है। विधानसभा जैसे पवित्र मंदिर में प्रतिपक्ष के लोग असत्य बोल रहे हैं। अगर यदि किसानों को कोई समस्या होती तो मप्र को सात बार कृषि कर्मण अवार्ड कैसे मिला।

सचिन यादव की मांग का समर्थनः मंत्री ने किसानों की समस्याएं सुलझाने के लिए कांग्रेस विधायक सचिन यादव की सर्वदलीय समिति बनाने संबंधी मांग का समर्थन किया। विधायक ने चर्चा के दौरान सरकार को सुझाव दिया था कि इस कमेटी में भाजपा के पूर्व मंत्री एवं मौजूदा वरिष्ठ विधायक गोपाल भार्गव जैसे अनुभव नेताओं को रखा जाना चाहिए। मंत्री कंसाना ने कहा कि भारत के पीएम नरेंद्र मोदी की भी यही इच्छा है। हम इस प्रस्ताव का समर्थन करते हैं। इस मामले में शीघ्र मुख्यमंत्री से चर्चा करेंगे। यदि किसानों को खाद नहीं मिलता तो प्रदेश में हाहाकार मच जाता। खाद बीज वितरण की लाइन में कुछ कांग्रेसी लोग खड़े होकर उपद्रव करना शुरू कर देते थे। तब हमने व्यवस्था को बदला है।

- **मंत्री की एक टिप्पणी पर हुई नोंकझोंकः** सदन में कृषि मंत्री की एक टिप्पणी पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच नोंकझोंक हुई। किसानों के मुद्दों पर मंत्री ने कहा कि विपक्ष झूठ बोलना बंद करे तो प्रदेश में तत्काल बारिश हो जाएगी। इस पर प्रतिपक्ष सदस्यों ने आपत्ति जताई। नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने कहा कि जब मंत्री ही सब जानते हैं तो मौसम विभाग को बंद कर देना चाहिए।
- **पारदर्शिता लाने ई-पोर्टल तैयार कियाः** किसानों के खाद्य संबंधी विषय पर चर्चा में सहकारिता मंत्री ने भी सदन में अपनी बात रखी। मंत्री सारंग ने कहा कि प्रदेश में खाद बीज की उपलब्धता के लिए विकास पोर्टल तैयार किया है। उन्होंने कहा यह व्यवस्था भविष्य में प्रदेश में मॉडल बनेगी। विपक्ष के आरोपों का जवाब देते मंत्री ने कहा कि 5000 खाद के सैंपल लिए जिसमें 10 लोगों के लाइसेंस निरस्त किए गए। 8 पर एफआईआर दर्ज कराई गई। उन्होंने बताया कि स्वाइल टेस्टिंग में भी 16 लाख नमूनों की जांच कराई गई है।
- **रियल पॉइंट मॉनिटरिंग सिस्टमः** इसके पूर्व किसानों के मुद्दे पर आयोजित चर्चा में भाग लेते हुए नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि प्रदेश में किसानों को प्रदान किए जाने वाले खाद बीज के लिए रिजल्ट पॉइंट मॉनीटरिंग सिस्टम सही नहीं है। सरकार ने केंद्रीय एजेंसियों पर निर्भरता रखी है। सिंघार ने आरोप लगाया कि फसल बोवनी के साथ सरकारी मूल्य पर पर्याप्त खाद बीज मिलना चाहिए। यह सरकार को व्यवस्था बनानी होगी। यही हमारी मांग है। सिंघार ने कहा कि प्रदेश में 265 लैब हैं जिनमें 130 करोड रुपए मिट्टी परीक्षण पर खर्च किए गए। लेकिन सभी लैब बंद पड़े हैं। उनमें गोबर रखा जा रहा है। अफसरों ने यहां अपने घर बना रखे हैं।

स्वामी, मुद्रण, प्रकाशक एवं संपादक **आशीष दुबे** द्वारा सांई प्रिंटर्स, म. नं. 91, शाप नं. 3, जिन्सी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित एवं टी-2, बालाजी टावर, मधुवन बिहार कालोनी मिसरोद भोपाल से प्रकाशित। समस्त विवादों का न्यायालय भोपाल रहेगा।